website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 09 | पेज: 8 | जयपुर, शनिवार 20 दिसम्बर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

VB-G RAM G बिल पर संसद में बवाल:
-TMC का रातभर धरना, खड़गे बोले– गरीबों के खिलाफ है कानून

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र का समापन भारी हंगामे, विरोध और सियासी टकराव के बीच हुआ। VB-G RAM G बिल 2025 को लेकर गुरुवार देर रात राज्यसभा में जबरदस्त विवाद देखने को मिला। रात 12:30 बजे राज्यसभा से यह बिल ध्वनिमत से पास कर दिया गया, जबकि विपक्षी दलों के सांसद पहले ही सदन से वॉकआउट कर चुके थे। विपक्ष का आरोप है कि यह बिल गरीबों, किसानों और मज़दूरों के खिलाफ है और इसके ज़रिये महात्मा गांधी की सोच और विरासत को नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

विपक्ष की मांग और सरकार का रुख-

विपक्षी दलों की प्रमुख मांग थी कि इस बिल को सिलेक्ट कमेटी के पास भेजा जाए ताकि इसके हर पहलू पर गंभीरता से जांच हो सके। विपक्ष का कहना था कि ग्रामीण रोज़गार और ग़रीबों से जुड़ा इतना बड़ा कानून बिना विस्तृत चर्चा और सहमति के पास करना लोकतंत्र की भावना के खिलाफ है। हालांकि सरकार ने विपक्ष की इस मांग को ठुकरा दिया। विपक्ष की गैरमौजूदगी में सदन ने बिल को ध्वनिमत से पारित कर दिया। इससे पहले बुधवार को लोकसभा में 14 घंटे लंबी बहस के बाद भी यही बिल ध्वनिमत से पास हो चुका था।

TMC का संसद के बाहर विरोध-

बिल के पास होने के बाद तृणमूल कांग्रेस (TMC) के सांसदों ने संसद भवन के मकर द्वार पर रातभर धरना दिया। TMC सांसदों का कहना है कि यह बिल महात्मा गांधी का अपमान है और सीधे तौर पर किसानों और गरीब तबके के हक़ पर चोट करता है। TMC नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार ग्रामीण रोज़गार गारंटी की आत्मा को खत्म कर रही है और एक ऐसा कानून ला रही है, जिससे राज्यों के अधिकार भी कमजोर होंगे। शुक्रवार सुबह तक सांसद धरने पर बैठे रहे और नारेबाज़ी करते रहे।

खड़गे का भावुक बयान-

कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस बिल को लेकर बेहद कड़ा और भावुक बयान दिया। उन्होंने कहा, "मैं अपनी मां की और भारत मां की कसम खाकर कहता हूं कि यह बिल गरीबों की भलाई के लिए नहीं है।" खड़गे ने आरोप लगाया कि सरकार ने बिना विपक्ष की बात सुने, बिना सहमति बनाए, ज़बरदस्ती यह कानून पारित कराया। उनके मुताबिक यह कानून ग़रीबों को राहत देने के बजाय उन्हें और असुरक्षित करेगा।

सरकार का जवाब-

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि सरकार इस बिल को लेकर सकारात्मक बहस की उम्मीद कर रही थी। उन्होंने कहा, "मैं विपक्ष से उम्मीद कर रहा था कि वे अच्छी बहस करेंगे, लेकिन उन्होंने केवल बेवजह के आरोप लगाए।" सरकार का दावा है कि VB-G RAM G बिल का उद्देश्य ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मज़बूत करना और रोज़गार के नए अवसर पैदा करना है। मंत्री ने कहा कि विपक्ष भ्रम फैला रहा है और राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है।

ममता बनर्जी का अलग रुख-

इस पूरे विवाद के बीच पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक अहम बयान दिया। उन्होंने साफ किया कि उनकी सरकार अपनी ग्रामीण रोज़गार गारंटी योजना का नाम महात्मा गांधी के नाम पर ही रखेगी। ममता बनर्जी के इस बयान को केंद्र सरकार के फैसले के खिलाफ एक सियासी संदेश के रूप में देखा जा रहा है। TMC का कहना है कि गांधी जी का नाम सिर्फ एक प्रतीक नहीं, बल्कि ग्रामीण गरीबों के संघर्ष और सम्मान से जुड़ा हुआ है।

गोवा मुक्ति दिवस: पीएम मोदी, अमित शाह, जेपी नड्डा ने वीरों को दी श्रद्धांजलि

गोवा। हर साल 19 दिसंबर को गोवा मुक्ति दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसी दिन भारतीय गणराज्य के मानचित्र पर गोवा, दमन और दीव को पुर्तगाली शासन से मुक्त कर भारत में शामिल किया गया था। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिनके दृढ़ संकल्प और बलिदान ने इस क्षेत्र को पुर्तगाली शासन से आजादी दिलाई।

पीएम मोदी ने एक्स पर कहा-

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "गोवा मुक्ति दिवस हमें हमारी राष्ट्रीय यात्रा के एक अहम अध्याय की याद दिलाता है। हम उन लोगों के अदम्य साहस को याद करते हैं जिन्होंने अन्याय को मानने से इनकार कर दिया और हिम्मत और पक्के इरादे के साथ आजादी के लिए लड़ाई लड़ी। उनके बलिदान हमें आज भी प्रेरणा देते हैं, क्योंकि हम गोवा की चौतरफा तरक्की के लिए काम कर रहे हैं।"

जेपी नड्डा ने कहा-

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एक्स पोस्ट में लिखा, "गोवा मुक्ति दिवस पर मैं इस खूबसूरत राज्य के अपने भाइयों और बहनों को दिल से शुभकामनाएं देता हूं। आज, हम उन बहादुर आत्माओं को याद करते हैं जिनकी हिम्मत और बलिदान से गोवा आज़ाद हुआ और सही मायने में आजाद भारत का हिस्सा बना। उनकी विरासत पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। मैं इन नायकों को सम्मान के साथ नमन करता हूं और हर गोवावासी की भलाई, खुशी और तरक्की के लिए प्रार्थना करता हूं।"

अमित शाह ने शुभकामनाएं देते हुए लिखा-

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुभकामनाएं देते हुए लिखा, "आज की पीढ़ी शायद यह नहीं जानती कि 1961 तक भारतीयों को गोवा जाने के लिए परमिशन लेनी पड़ती थी। प्रभाकर वैद्य, बाला राया मापारी, नानाजी देशमुख और जगन्नाथ राव जोशी जैसे कई महान लोगों ने इसके खिलाफ आवाज उठाई और गोवा की आजादी के लिए लड़ाई लड़ी। हमारे देशभक्तों के महान बलिदानों के बाद, गोवा भारत का एक अभिन्न अंग बन गया। पूरे दिल से आभार व्यक्त करते हुए, मैं उन सभी महान आत्माओं को नमन करता हूं जिन्होंने गोवा की आजादी के लिए बहुत कष्ट सहे।"

दिल्ली सहित 5 राज्यों में घना कोहरा:
-यूपी-बिहार में स्कूल बंद, फ्लाइट्स कैंसिल, सड़क और रेल यातायात प्रभावित

नई दिल्ली। दिल्ली सहित उत्तर भारत के पांच राज्यों में आज घना कोहरा लोगों की दिनचर्या पर भारी पड़ रहा है। दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और बिहार में सुबह से ही दृश्यता बेहद कम दर्ज की गई। हालात को देखते हुए भारतीय मौसम विभाग ने इन सभी राज्यों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे बेहद जरूरी काम होने पर ही घर से बाहर निकलें और वाहन चलाते समय खास सावधानी बरतें।

उत्तर प्रदेश में हालात गंभीर-

उत्तर प्रदेश के करीब 40 जिलों में घने कोहरे का असर देखा जा रहा है। बरेली, कानपुर, कासगंज, औरैया और जौनपुर जैसे जिलों में हालात इतने खराब हैं कि 20 दिसंबर तक सभी स्कूल बंद कर दिए गए हैं। वहीं लखनऊ सहित 10 अन्य जिलों में स्कूलों की टाइमिंग बदलकर सुबह 9 बजे से कर दी गई है, ताकि छोटे बच्चों को सुबह के घने कोहरे से बचाया जा सके। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में अगले तीन दिन तक भयंकर सर्दी और कोहरे का दौर जारी रहेगा। ठंडी हवाओं के साथ तापमान में और गिरावट की संभावना जताई गई है। राज्य सरकार ने बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है।

बिहार में उड़ानें रद्द, सड़क हादसे-

बिहार में भी कोहरे का कहर साफ नजर आया। नालंदा, गोपालगंज, छपरा सहित 19 जिलों में घना कोहरा छाया रहा। सारण जिले में हालात को देखते हुए आज सभी स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई। राजधानी पटना में स्कूलों की टाइमिंग 25 दिसंबर तक सुबह 9 बजे से शाम 4:30 बजे तक कर दी गई है। पटना एयरपोर्ट पर कोहरे का सीधा असर हवाई सेवाओं पर पड़ा। आज 8 फ्लाइट्स कैंसिल करनी पड़ीं, जिससे यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। रेलवे सेवाएं भी प्रभावित हुईं और राज्यभर में 14 ट्रेनें देरी से चलीं। सड़क पर दृश्यता बेहद कम होने के कारण कई हादसे भी हुए। गोपालगंज में कोहरे के चलते 2 बस और एक ट्रक की टक्कर हो गई, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं छपरा में एक बस ने तीन कारों को टक्कर मार दी। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

वीआईपी मूवमेंट भी प्रभावित-

घने कोहरे के कारण बिहार के गया जिले में डिप्टी मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का हेलिकॉप्टर उड़ान नहीं भर सका।

बांग्लादेश में राजनीतिक और साम्प्रदायिक हिंसा:
-हादी की मौत के बाद अखबार व पार्टी कार्यालयों में आगजनी

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में हाल ही में राजनीतिक और साम्प्रदायिक हिंसा की घटनाओं ने देश को हिला दिया है। इस हिंसा की शुरुआत उस समय हुई जब देश में शेख हसीना के विरोधी नेता उस्मान हादी की मौत की खबर आई। हादी जुलाई 2024 में हुए छात्र आंदोलन के प्रमुख नेताओं में से एक थे और वे शेख हसीना के खिलाफ सक्रिय भूमिका निभा रहे थे। 12 दिसंबर को चुनाव प्रचार के दौरान उन पर हमला हुआ और उन्हें सिर में गोली लगी। गंभीर हालत में उन्हें बेहतर उपचार के लिए सिंगापुर ले जाया गया, लेकिन 6 दिन बाद उनकी मौत हो गई। उस्मान हादी की मौत के बाद प्रदर्शनकारियों ने गुरुवार देर रात हिंसक प्रदर्शन शुरू कर दिया। उन्होंने बांग्लादेश के सबसे बड़े अखबार डेली स्टार और प्रोथोम अलो के कार्यालय में जबरन प्रवेश कर तोड़फोड़ की और आग लगा दी। इसके अलावा, पूर्व राष्ट्रपति शेख मुजीबुर्रहमान के आवास और शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के कार्यालय भी निशाने पर रहे और उनमें भी आगजनी हुई। यह हिंसा राजनीतिक तनाव और आक्रोश का प्रतीक बन गई है। राजनीतिक हिंसा के साथ-साथ साम्प्रदायिक हिंसा की भी दुखद घटना सामने आई। बीबीसी बांग्ला की रिपोर्ट के अनुसार, धर्म का अपमान करने के आरोप में हिंदू युवक दीपु चंद्र दास की मॉब लिंचिंग कर दी गई। उसे पीट-पीटकर मार डाला गया और उसके शव को नग्न हालत में एक पेड़ से लटका कर आग लगा दी गई। पुलिस ने बताया कि यह घटना गुरुवार रात भालुका में हुई। सोशल मीडिया पर इस घटना का वीडियो वायरल हो रहा है।

सुदर्शन चक्र से और मजबूत होगी देश की सुरक्षा, ऑपरेशन सिंदूर से सबक लेकर भविष्य को तैयार सेना- राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि भारत का स्वदेशी एयर डिफेंस सिस्टम 'सुदर्शन चक्र' देश की सुरक्षा व्यवस्था को नई मजबूती देगा। यह प्रणाली भविष्य की चुनौतियों को ध्यान में रखकर विकसित की जा रही है और भारत की लेयर्ड एयर डिफेंस क्षमता को और प्रभावी बनाएगी। उन्होंने वायुसेना से अपील की कि ऑपरेशन सिंदूर से मिले रणनीतिक और ऑपरेशनल सबक को आत्मसात करते हुए आने वाले समय के लिए पूरी तरह तैयार रहें। दिल्ली में आयोजित एयर फोर्स कमांडर्स कॉन्क्लेव में रक्षा मंत्री ने कहा कि भारतीय वायुसेना आज तकनीकी रूप से उन्नत, रणनीतिक रूप से आत्मविश्वासी और हर परिस्थिति में प्रभावी प्रतिक्रिया देने में सक्षम फोर्स बन चुकी है। इस अवसर पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह और वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। राजनाथ सिंह ने कहा कि हाल के घटनाक्रमों से यह साफ है कि जनता का अपनी सेनाओं पर भरोसा और मजबूत हुआ है। जब पाकिस्तान की ओर से भारतीय ठिकानों को निशाना बनाने की असफल कोशिश की गई, तब आम लोगों ने संयम बनाए रखा और सामान्य गतिविधियां जारी रहीं। यह देश की तैयारी, क्षमता और सुरक्षा व्यवस्था पर जनता के विश्वास को दर्शाता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराइल-हमास संघर्ष, बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर जैसे उदाहरण बताते हैं कि आधुनिक युद्ध में एयर पावर केवल सामरिक (टैक्टिकल) साधन नहीं रही, बल्कि एक महत्वपूर्ण रणनीतिक औजार बन चुकी है। एयर पावर की असली ताकत उसकी गति, आश्चर्य और त्वरित प्रभाव में है, जिससे न केवल सैन्य बल्कि राजनीतिक स्तर पर भी स्पष्ट संदेश जाता है। उन्होंने बताया कि स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित 'सुदर्शन चक्र' को भविष्य की जरूरतों के मुताबिक विकसित किया जा रहा है। इस सिस्टम में अत्याधुनिक सेंसर, हथियार प्लेटफॉर्म और कमांड-एंड-कंट्रोल सिस्टम का एकीकृत नेटवर्क होगा। इसका उद्देश्य हवाई खतरों की समय रहते पहचान करना और तुरंत प्रभावी जवाब देना है, जिससे देश की सुरक्षा और मजबूत होगी। राजनाथ सिंह ने यह भी कहा कि युद्ध का स्वरूप अब तेजी से बदल रहा है। आज की लड़ाइयां केवल जमीन, हवा और समुद्र तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि साइबर वॉर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन, सैटेलाइट निगरानी और स्पेस टेक्नोलॉजी आधुनिक युद्ध की अहम कड़ियां बन चुकी हैं। ऐसे में नवाचार और तकनीक में आत्मनिर्भरता बेहद जरूरी है। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को तीनों सेनाओं—थल, जल और वायु—के संयुक्त संचालन का बेहतरीन उदाहरण बताया। रक्षा मंत्री ने भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल, समन्वय और संयुक्त योजना पर विशेष जोर दिया।

बिहार में डॉक्टर का हिजाब हटाने पर पाकिस्तान ने जताया गहरा विरोध
-नीतीश कुमार को धमकी भी मिली

इस्लामाबाद (एजेंसी)। बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा महिला डॉक्टर नुसरत का हिजाब हटाने की घटना ने पाकिस्तान में तीखी प्रतिक्रिया पैदा कर दी है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने इसे "बेहद गलत" करार दिया और कहा कि ऐसी घटनाओं से भारत में मुस्लिम समुदाय के खिलाफ नफरत बढ़ रही है। मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर हुसैन अंद्राबी ने प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि एक सीनियर नेता का मुस्लिम महिला का जबरन हिजाब हटाना न केवल व्यक्तिगत अधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि यह मुस्लिम महिलाओं के अपमान को सामान्य बनाने का खतरा भी पैदा करता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इस तरह की घटनाएं भारत में असहिष्णुता और धार्मिक भेदभाव को बढ़ावा देती हैं। घटना सोमवार को तब हुई जब बिहार में आयुष डॉक्टरों को नियुक्ति पत्र बांटे जा रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने डॉक्टर नुसरत से हिजाब के बारे में सवाल किया और बाद में स्वयं उसका हिजाब हटाया। इस कार्रवाई को लेकर सोशल मीडिया पर भी भारी विवाद हुआ। इसी बीच, पाकिस्तान के कुख्यात डॉन शहजाद भट्टी ने इस घटना पर वीडियो जारी कर नीतीश कुमार को धमकी दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को सार्वजनिक तौर पर माफी मांगनी चाहिए, वरना इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। शहजाद भट्टी के खिलाफ पटना के साइबर थाना में केस भी दर्ज किया गया है। भट्टी हाल ही में गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को धमकी देने की वजह से सुर्खियों में आए थे।

पीएम मोदी को ओमान का दूसरा सर्वोच्च सम्मान
-भारत-ओमान ने व्यापार समझौते पर किया हस्ताक्षर

ओमान (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ओमान का दूसरा सर्वोच्च सम्मान 'ऑर्डर ऑफ ओमान' दिया गया है। यह सम्मान ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक ने उन्हें प्रदान किया। इस अवसर पर दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय बैठकों का सिलसिला भी रहा, जिसमें कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री मोदी और सुल्तान हैथम ने भारत और ओमान के बीच व्यापार समझौते (Trade Agreement) पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता दोनों देशों के आर्थिक और व्यापारिक संबंधों को नई दिशा देगा। इसके तहत भारत के कई प्रमुख क्षेत्रों जैसे टेक्सटाइल, फुटवियर, ऑटोमोबाइल, जेम्स एंड ज्वैलरी, रिन्युएबल एनर्जी और ऑटो कंपोनेंट्स को सीधा लाभ मिलेगा। यह समझौता नवंबर 2023 में शुरू हुई बातचीत का परिणाम है और इसे दोनों देशों के लिए ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस समझौते को विस्तृत आर्थिक साझेदारी समझौता (Comprehensive Economic Partnership Agreement – CEPA) बताया। उन्होंने कहा कि यह समझौता आने वाले दशकों तक भारत और ओमान के संबंधों की दिशा तय करेगा। मोदी ने इसे दोनों देशों के साझा भविष्य का खाका भी बताया, जिससे निवेश, रोजगार और व्यापार में दोनों देशों को समान लाभ होगा। इसके अलावा, पीएम मोदी ने द्विपक्षीय बैठक में क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा, ऊर्जा सहयोग, पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे मुद्दों पर भी चर्चा की। उन्होंने ओमान के साथ स्थिर और दीर्घकालिक संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया।

तमिलनाडु-गुजरात में SIR की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी होगी:
-2 दिन पहले 5 राज्यों-UT की लिस्ट आई, बंगाल में सबसे ज्यादा 58 लाख नाम कटे

चेन्नई/गांधीनगर। चुनाव आयोग शुक्रवार को तमिलनाडु और गुजरात में कराए गए स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) यानी विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण के तहत ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी करेगा। इसे आम भाषा में वोटर वेरिफिकेशन भी कहा जा रहा है। ड्राफ्ट लिस्ट जारी होते ही मतदाता अपने नाम ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यम से जांच सकेंगे। अगर किसी का नाम छूट गया है, गलत दर्ज है या किसी और तरह की त्रुटि है, तो तय समयसीमा के भीतर सुधार, नाम जोड़ने या आपत्ति दर्ज कराने का मौका मिलेगा। इससे पहले चुनाव आयोग ने 16 दिसंबर को पश्चिम बंगाल, राजस्थान, गोवा, लक्षद्वीप और पुडुचेरी की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी की थी। आयोग के आंकड़ों के मुताबिक 27 अक्टूबर को जब SIR की घोषणा की गई थी, तब इन पांच राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में कुल 13.35 करोड़ पंजीकृत मतदाता थे। लेकिन ड्राफ्ट सूची जारी होने के बाद यह संख्या घटकर 12.33 करोड़ रह गई है। यानी करीब 1.02 करोड़ मतदाताओं के नाम हटाए गए या हटाने के लिए चिन्हित किए गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा नाम पश्चिम बंगाल में कटे हैं। यहां कुल 58 लाख 20 हजार 898 मतदाताओं के नाम हटाने के लिए चिन्हित किए गए हैं। चुनाव आयोग के अनुसार, इनमें 24 लाख 16 हजार 852 नाम ऐसे मतदाताओं के हैं जिनकी मृत्यु हो चुकी है। करीब 19 लाख 88 हजार 76 मतदाता दूसरे स्थान पर स्थायी रूप से शिफ्ट हो चुके हैं। इसके अलावा 12 लाख 20 हजार 38 मतदाता लापता बताए गए हैं। 1 लाख 38 हजार 328 नाम डुप्लीकेट या फर्जी पाए गए, जबकि 57 हजार 604 नाम अन्य कारणों से हटाने के प्रस्ताव में हैं। राजस्थान में SIR की ड्राफ्ट लिस्ट में 41.85 लाख मतदाताओं के नाम काटे गए हैं। यहां ड्राफ्ट सूची के साथ अलग-अलग श्रेणियों की लिस्ट भी जारी की गई है, जिसमें अनुपस्थित (एब्सेंट), स्थानांतरित (शिफ्टेड), मृत (डेड) और पहले से पंजीकृत (ऑलरेडी एनरोल्ड) मतदाताओं का विवरण शामिल है। गोवा में कुल 11.85 लाख मतदाताओं में से 10.84 लाख ने सत्यापन से जुड़े फॉर्म जमा किए। यहां एक लाख से ज्यादा नाम हटाए गए हैं। इनमें मृत, लंबे समय से अनुपस्थित, स्थायी रूप से स्थानांतरित और डुप्लीकेट मतदाता शामिल हैं। उत्तर गोवा में 44,639 और दक्षिण गोवा में 55,403 नाम सूची से हटाए गए। पुडुचेरी में ड्राफ्ट मतदाता सूची से 1.03 लाख से ज्यादा नाम हटाए गए हैं। अब यहां कुल मतदाताओं की संख्या 9.18 लाख रह गई है। सबसे ज्यादा नाम पुडुचेरी जिले में कटे हैं, जबकि कराईकल, माहे और यानम में भी बड़ी संख्या में मतदाता सूची से बाहर हुए हैं। लक्षद्वीप की बात करें तो 27 अक्टूबर तक यहां 58 हजार मतदाता दर्ज थे। ड्राफ्ट लिस्ट जारी होने के बाद 56,384 नाम सूची में शामिल पाए गए, यानी 1,616 मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। चुनाव आयोग के अनुसार, SIR का दूसरा चरण फरवरी 2026 तक चलेगा और अंतिम मतदाता सूची 14 फरवरी 2026 को जारी की जाएगी।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

योजना बनी, वादा टूटा: इंटर्नशिप स्कीम की नाकामी पर जवाबदेही तय क्यों नहीं?

योजना के अमल में न आने पर जवाबदेही किसकी—यह सवाल आज इसलिए ज्यादा गंभीर हो गया है, क्योंकि सरकार जिन योजनाओं को युवाओं के भविष्य और बेरोजगारी के समाधान के रूप में पेश करती है, वही योजनाएं जमीन पर दम तोड़ती नजर आती हैं। पीएम इंटर्नशिप योजना इसका ताजा उदाहरण है। यह योजना उन पांच बड़ी रोजगार और कौशल विकास योजनाओं में शामिल है, जिनका मकसद सरकारी हस्तक्षेप के जरिए युवाओं को काम के काबिल बनाना और बेरोजगारी को कम करना बताया गया था। लेकिन आंकड़े बताते हैं कि इरादों और हकीकत के बीच की खाई लगातार चौड़ी होती जा रही है। अगर हम बीते अनुभवों पर नजर डालें तो तस्वीर और साफ हो जाती है। करीब दस साल पहले शुरू की गई प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना से भी ऐसे ही बड़े दावे जुड़े थे। कहा गया था कि लाखों युवाओं को ट्रेनिंग देकर रोजगार से जोड़ा जाएगा। लेकिन तीन बार मॉडल बदलने के बावजूद इस योजना की प्लेसमेंट दर 18.4 प्रतिशत से गिरकर मात्र 10.1 प्रतिशत रह गई। इसकी असफलता के कारण भी किसी से छिपे नहीं हैं—घटिया ट्रेनिंग, योग्य प्रशिक्षकों की कमी और ऐसा ट्रेनिंग फॉर्मेट, जो उद्योग की वास्तविक जरूरतों से मेल ही नहीं खाता। इसके बावजूद न तो किसी स्तर पर जवाबदेही तय हुई और न ही किसी ने यह स्वीकार किया कि योजना की डिजाइन और क्रियान्वयन में गंभीर खामियां हैं। इसी पृष्ठभूमि में जब बजट में पीएम इंटर्नशिप योजना की घोषणा हुई, तो उम्मीद जगी कि पिछली गलतियों से सबक लिया गया होगा। योजना के तहत अगले पांच वर्षों तक हर साल 20 लाख युवाओं को प्राइवेट-पब्लिक पार्टनरशिप के जरिए कंपनियों में एक साल की इंटर्नशिप, 66 हजार रुपये के स्टाइपेंड के साथ देने का वादा किया गया। उद्देश्य यह था कि युवा उद्योग की जरूरतों के मुताबिक प्रशिक्षित होकर रोजगार के काबिल बन सकें। लेकिन संसद में सरकार द्वारा दिए गए आंकड़े इस योजना की हालत बयां कर देते हैं। पंद्रह महीने बीत जाने के बाद भी पहले वर्ष में केवल 1.21 लाख अवसर घोषित किए गए, जिनके लिए 6.27 लाख आवेदन आए। इसके बाद कंपनियों ने ऑफर घटाकर 82 हजार कर दिए और नियुक्ति-पत्र महज 60 हजार आवेदकों को दिए गए। इनमें से भी केवल 8700 युवाओं ने वास्तव में इंटर्नशिप जॉइन की और उनमें से 4565 ने बीच में ही ट्रेनिंग छोड़ दी। यानी जिस योजना के तहत हर साल 20 लाख युवाओं को ट्रेनिंग देने का दावा था, वह सिमटकर सिर्फ 4135 युवाओं तक रह गई। चालू वर्ष की स्थिति और भी चिंताजनक है, जहां केवल 7300 आवेदकों ने इंटर्नशिप जॉइन की है। यह स्थिति केवल एक योजना की विफलता नहीं है, बल्कि नीति निर्माण और क्रियान्वयन की पूरी प्रक्रिया पर सवाल खड़े करती है। जब योजनाएं बनाई जाती हैं, तब बड़े-बड़े लक्ष्य तय कर दिए जाते हैं, लेकिन उनके लिए न तो पर्याप्त तैयारी होती है, न उद्योग के साथ वास्तविक संवाद और न ही जमीनी स्तर पर निगरानी की मजबूत व्यवस्था। नतीजा यह होता है कि योजना कागजों में सफल दिखती है और हकीकत में दम तोड़ देती है।

ऑस्ट्रेलिया में बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्रतिबंध का कानून, भारत में भी बचपन और भविष्य बचाने को जरूरी कदम

-डिजिटल सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक संतुलन के लिए नाबालिगों पर सोशल मीडिया नियंत्रण अब अनिवार्य

डिजिटल दौर में सोशल मीडिया हमारी ज़िंदगी का हिस्सा बन चुका है। सूचनाओं की तेज़ रफ्तार, अभिव्यक्ति की आज़ादी और वैश्विक संवाद के साथ-साथ इसके ख़तरे भी उतने ही गहरे हैं। सबसे ज़्यादा असर बच्चों और किशोरों पर पड़ रहा है। इसी चिंता को देखते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रतिबंध का कड़ा कानून बनाया है। संयुक्त राष्ट्र और यूरोप के कई देशों ने इस क़दम का समर्थन किया है। भारत में भी यह बहस नई नहीं है। अगस्त 2013 में दिल्ली हाईकोर्ट ने के.एन. गोविंदाचार्य मामले में आदेश दिया था कि नाबालिग बच्चे सोशल मीडिया जॉइन नहीं कर सकते, लेकिन यह आदेश काग़ज़ों से बाहर नहीं निकल पाया। आज सवाल यह है कि क्या भारत जैसे युवा आबादी वाले देश में बच्चों को बिना परिपक्वता, बिना सुरक्षा और बिना निगरानी के डिजिटल दुनिया में छोड़ देना सही है? इंटरनेट की दुनिया में बच्चों का निर्बाध प्रवेश सिर्फ़ उनके निजी जीवन को ही नहीं, बल्कि समाज के ताने-बाने और देश की दीर्घकालिक आर्थिक प्रगति को भी प्रभावित कर सकता है। इस पूरे मुद्दे को समझने के लिए इससे जुड़े सात अहम पहलुओं पर गंभीरता से विचार ज़रूरी है।

अंतरराष्ट्रीय अनुभव: कानून क्यों और कैसे बने

बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा को लेकर सबसे पहले क़ानूनी पहल अमेरिका में हुई। वर्ष 1998 में वहाँ 13 साल से कम उम्र के बच्चों को ऑनलाइन खतरों से बचाने के लिए कानून बनाया गया। बाद के वर्षों में ऑनलाइन बुलीइंग, साइबर स्टॉकिंग और सेक्सटॉर्शन जैसे अपराध तेजी से बढ़े। कई मामलों में बच्चों की आत्महत्या तक की खबरें सामने आईं। इन्हीं घटनाओं के बाद ऑस्ट्रेलिया ने 2024 में ऐतिहासिक फैसला लिया। नए

कानून के तहत 16 साल से कम उम्र के बच्चे टिक-टॉक, फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब सहित करीब 10 बड़े सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जॉइन नहीं कर सकते। कानून तोड़ने वाली टेक कंपनियों पर करीब 3 अरब रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। इस कानून का मक़सद सिर्फ़ प्रतिबंध लगाना नहीं, बल्कि टेक कंपनियों को जवाबदेह बनाना भी है। अब जिम्मेदारी बच्चों या अभिभावकों पर नहीं, बल्कि प्लेटफॉर्म्स पर डाली गई है कि वे उम्र सत्यापन और कंटेंट सुरक्षा को गंभीरता से लागू करें।

भारत में कानून हैं, लेकिन अमल नहीं

भारत में स्थिति थोड़ी अलग और कहीं ज़्यादा विरोधाभासी है। एक तरफ़ देश में 18 साल से कम उम्र के नाबालिग बच्चे सिम कार्ड नहीं खरीद सकते, उन्हें ड्राइविंग लाइसेंस नहीं मिल सकता। गुटखा, शराब या अन्य नशीले पदार्थ बच्चों को बेचने पर पुलिस सीधे मुकदमा दर्ज कर लेती है। कॉन्ट्रैक्ट एक्ट और डेटा सुरक्षा कानूनों के तहत कंपनियां बच्चों से वैध सहमति के बिना उनका डेटा हासिल नहीं कर सकतीं। इसके अलावा आईटी एक्ट, पॉक्सो एक्ट और अन्य क़ानून बच्चों को ऑनलाइन यौन शोषण, पोर्नोग्राफी और साइबर अपराधों से बचाने के लिए मौजूद हैं। इसके बावजूद सोशल मीडिया के मामले में पूरी व्यवस्था आंखें मूंदे बैठी है। नाबालिग बच्चों के लिए न तो सख़्त उम्र सत्यापन है, न प्रभावी निगरानी। दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद सरकार और टेक कंपनियों ने इसे गंभीरता से लागू नहीं किया। नतीजा यह है कि आज भारत में करोड़ों बच्चे खुलेआम सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं।

टेक कंपनियों का मुनाफ़ा और बच्चों की कीमत

सोशल मीडिया कंपनियों के बिज़नेस मॉडल की सच्चाई बेहद चिंताजनक है। रिपोर्ट्स के अनुसार मेटा (फेसबुक की पेरेंट कंपनी) का 19% से ज़्यादा राजस्व ठगी, भ्रामक और प्रतिबंधित कंटेंट के विज्ञापनों से आता है। मेटा के अंदरूनी दस्तावेज़ों पर आधारित "प्रोजेक्ट मर्करी" रिपोर्ट में साफ़ कहा गया कि सोशल मीडिया बच्चों की मानसिक सेहत और शैक्षणिक क्षमताओं पर गंभीर दुष्प्रभाव डालता है। रिपोर्ट के मुताबिक टेक कंपनियों का करीब एक-तिहाई कारोबार बच्चों और किशोरों पर आधारित है। नुकसान से बचने के लिए इस रिपोर्ट को दबाने की कोशिश की गई, लेकिन यह लीक हो गई। इसके बाद अमेरिका में स्कूलों, अभिभावकों और कई राज्यों ने कैलिफोर्निया की अदालत में टेक कंपनियों के खिलाफ मुकदमे दायर किए। यही वह मोड़ था, जहाँ से ऑस्ट्रेलिया समेत कई देशों में बच्चों को टेक कंपनियों के चंगुल से छुड़ाने की मुहिम तेज़ हुई।

सोशल मीडिया का बच्चों की सेहत और शिक्षा पर असर

आज के किशोर औसतन रोज़ 5 घंटे सोशल मीडिया पर बिता रहे हैं। यह समय किताबों, खेलकूद, परिवार और वास्तविक संवाद से छीना जा रहा है। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के अध्ययन के अनुसार सोशल मीडिया, मीम कल्चर और एआई चैटबॉट्स ने बच्चों की बोलने और लिखने की क्षमता को बुरी तरह प्रभावित किया है। भाषा संक्षिप्त हो रही है, विचार गहरे नहीं रह गए हैं। ध्यान केंद्रित करने की क्षमता घट रही है। मानसिक स्वास्थ्य पर इसका असर और भी गंभीर है—चिंता, अवसाद, अकेलापन और आत्मसम्मान की कमी तेजी से बढ़ रही है। वर्चुअल लाइक्स और फॉलोअर्स की दौड़ में बच्चे अपनी पहचान और आत्मविश्वास खोते जा रहे हैं। सामाजिक भागीदारी घट रही है और करियर से जुड़े लक्ष्य धुंधले पड़ रहे हैं।

प्रतिबंध के बाद भी चुनौतियाँ: सिर्फ़ कानून काफ़ी नहीं

यह सच है कि सिर्फ़ कानून बना देने से समस्या पूरी तरह हल नहीं होगी। ऑस्ट्रेलिया और अन्य देशों के अनुभव बताते हैं कि प्रतिबंध के बावजूद बच्चे लॉग-आउट मोड में सोशल मीडिया कंटेंट देख सकते हैं। जेन-जी ने स्नैपचैट, रेडिट और डिस्कॉर्ड जैसे प्लेटफॉर्म्स को "सीक्रेट अड्डे" बना लिया है। कई बच्चे अपने डिजिटल फुटप्रिंट्स नियमित रूप से मिटाते हैं। कुछ स्मार्ट बच्चे परिवार, दोस्तों और अंजान लोगों से संपर्क रखने के लिए तीन-तीन अकाउंट्स चला रहे हैं। वीपीएन और डार्क वेब की दुनिया में बच्चों को रोकने के लिए सिर्फ़ कानून नहीं, बल्कि तकनीकी समाधान, डिजिटल साक्षरता और अभिभावकों की सक्रिय भूमिका भी ज़रूरी है।

ऑस्ट्रेलिया का संदेश: बचपन वापस लाने की कोशिश

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने साफ़ कहा है कि इस नए कानून का मक़सद केवल ऑनलाइन सुरक्षा नहीं, बल्कि "बच्चों का बचपन वापस लाना" है। उनका मानना है कि बचपन स्क्रीन पर नहीं, खेल के मैदान में, किताबों में और सामाजिक रिश्तों में पनपता है। यह बयान दुनिया भर के देशों के लिए एक संदेश है कि आर्थिक लाभ या तकनीकी प्रगति के नाम पर बच्चों की कीमत नहीं चुकाई जा सकती। टेक्नोलॉजी इंसान के लिए है, इंसान टेक्नोलॉजी के लिए नहीं।

भारत के लिए रास्ता: संतुलन और सख़्ती

भारत में इस मुद्दे पर भावनात्मक बहस से आगे बढ़कर व्यावहारिक नीति की ज़रूरत है। सबसे पहले दिल्ली हाईकोर्ट के 2013 के आदेश को फिर से लागू करने और अपडेट करने की ज़रूरत है।

सरकार को चाहिए कि: सोशल मीडिया के लिए सख़्त उम्र सत्यापन प्रणाली लागू करे। टेक कंपनियों पर कानूनी और आर्थिक जिम्मेदारी तय की जाए। स्कूलों में डिजिटल साक्षरता और मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा अनिवार्य की जाए। अभिभावकों को जागरूक करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर अभियान चलाए जाएं। साथ ही यह भी ज़रूरी है कि बच्चों को इंटरनेट से पूरी तरह काटने के बजाय उन्हें सुरक्षित, सीमित और उद्देश्यपूर्ण उपयोग सिखाया जाए। ऑस्ट्रेलिया का कानून कोई अतिवादी कदम नहीं, बल्कि समय की मांग है। भारत जैसे देश में, जहाँ युवा आबादी सबसे बड़ी ताक़त है, बच्चों की डिजिटल सुरक्षा को नज़रअंदाज़ करना भविष्य से समझौता करने जैसा होगा। अगर आज हमने सख़्त और संतुलित फैसले नहीं लिए, तो आने वाली पीढ़ी मानसिक, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से कमज़ोर होगी। सवाल सिर्फ़ सोशल मीडिया का

दिवालियापन की कगार से वैश्विक ऊंचाइयों तक: डेल्टा एयरलाइंस की संकट, नेतृत्व, पुनर्गठन और सफलता की प्रेरक कहानी

-9/11 के झटके, कर्ज और तेल संकट के बावजूद डेल्टा की रणनीति ने ब्रांड को फिर उड़ान दी

11 सितंबर 2001 की सुबह अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में हुए आतंकी हमले ने पूरी दुनिया को हिला कर रख दिया। वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के ट्विन टावरों पर हुए इस हमले ने केवल अमेरिका की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल नहीं खड़े किए, बल्कि वहां की अर्थव्यवस्था और खास तौर पर एविएशन इंडस्ट्री को गहरे संकट में धकेल दिया। इस हमले के बाद लोगों में उड़ान भरने का डर बैठ गया। अंतरराष्ट्रीय यात्राएं अचानक ठप होने लगीं। अनुमान के मुताबिक, करीब 10 करोड़ विदेशी यात्रियों की आवाजाही रुक गई। इसका सीधा असर एयरलाइंस कंपनियों की आमदनी पर पड़ा। इसी संकट की सबसे बड़ी मार झेलने वाली कंपनियों में एक थी – डेल्टा एयरलाइंस, जो अमेरिका की प्रतिष्ठित एविएशन कंपनियों में शुमार थी। कभी मुनाफे की उड़ान भरने वाली यह कंपनी कुछ ही वर्षों में भारी घाटे और कर्ज के दलदल में फंसती चली गई।

संकट की शुरुआत

11 सितंबर के हमले के बाद सुरक्षा नियम सख्त हुए, एयरपोर्ट्स पर खर्च बढ़ा, उड़ानों की संख्या घटी और यात्रियों का भरोसा टूटा। डेल्टा जैसी बड़ी एयरलाइन के लिए भी यह दौर बेहद मुश्किल था। लेकिन मुश्किलें यहीं खत्म नहीं हुईं। करीब दो साल बाद अमेरिका ने इराक पर हमला कर दिया। इस युद्ध का सीधा असर कच्चे तेल की कीमतों पर पड़ा। तेल के दाम ढाई गुना से ज्यादा बढ़ गए। एविएशन इंडस्ट्री के लिए ईंधन सबसे बड़ा खर्च होता है। जब तेल महंगा हुआ, तो डेल्टा की ऑपरेटिंग कॉस्ट बेतहाशा बढ़ गई। टिकट के दाम बढ़ाना आसान नहीं था, क्योंकि यात्री पहले ही कम हो चुके थे। नतीजा यह हुआ कि घाटा बढ़ता चला गया और कंपनी पर कर्ज का बोझ चढ़ता गया।

दिवालिया होने की नौबत

2005 तक आते-आते डेल्टा एयरलाइंस पर 2 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का कर्ज हो चुका था। हालात इतने बिगड़ गए कि कंपनी के पास दिवालिया होने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा। आखिरकार 15 सितंबर 2005 को डेल्टा ने आधिकारिक तौर पर दिवालियापन (Chapter 11 Bankruptcy) की प्रक्रिया शुरू की। यह किसी भी बड़े ब्रांड के लिए

सबसे कठिन दौर होता है। बाजार में भरोसा टूटता है, कर्मचारी असुरक्षित महसूस करते हैं और निवेशक दूरी बना लेते हैं। लेकिन यहीं से डेल्टा की असली परीक्षा शुरू हुई।

नेतृत्व और साहसिक फैसले

उस समय कंपनी के सीईओ थे मेराल्ड ग्रिनस्टीन (Gerald Grinstein)। उन्होंने दिवालियापन को अंत नहीं, बल्कि एक "लाइफ सेविंग चांस" बताया। ग्रिनस्टीन का मानना था कि अगर इस मौके का सही इस्तेमाल किया गया, तो डेल्टा दोबारा खड़ी हो सकती है। सबसे बड़ा संदेश उन्होंने खुद से शुरू किया। उन्होंने अपने वेतन में 25 प्रतिशत की कटौती को स्वीकार किया। यह फैसला सिर्फ आर्थिक नहीं था, बल्कि नैतिक और मनोवैज्ञानिक भी था। इससे कर्मचारियों को यह भरोसा मिला कि संकट में नेतृत्व उनके साथ खड़ा है।

रणनीतिक पुनर्गठन (Restructuring)

डेल्टा ने कई स्तरों पर बड़े फैसले लिए— गैर-जरूरी रूट्स और उड़ानों को बंद किया गया पुराने और ज्यादा ईंधन खपत वाले विमानों को बेड़े से बाहर किया गया कर्मचारियों के साथ पारदर्शी संवाद कायम किया गया यूनियनों के साथ कठिन लेकिन जरूरी समझौते किए गए कंपनी ने अपने बिजनेस मॉडल को नए सिरे से परिभाषित किया। लागत घटाने के साथ-साथ सेवा की गुणवत्ता पर खास ध्यान दिया गया, ताकि यात्रियों का भरोसा दोबारा जीता जा सके।

सरकारी सहयोग और इनोवेशन

अमेरिकी सरकार की नीतिगत मदद और बैंकिंग सिस्टम के सहयोग से डेल्टा को सांस लेने की जगह मिली। इसके साथ ही कंपनी ने इनोवेटिव मॉडल अपनाए— बेहतर रेवेन्यू मैनेजमेंट, स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप और टेक्नोलॉजी का ज्यादा इस्तेमाल। इन सभी प्रयासों का नतीजा यह हुआ कि 2007 में डेल्टा एयरलाइंस दिवालियापन से बाहर आ गई। यह सिर्फ आर्थिक वापसी नहीं थी, बल्कि ब्रांड की साख की भी वापसी थी।

वर्तमान स्थिति : सफलता की ऊंची उड़ान

आज डेल्टा एयरलाइंस दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी मानी जाती है। यह 52 से अधिक देशों में अपनी सेवाएं दे रही है और ग्लोबल एविएशन इंडस्ट्री में टॉप-2 कंपनियों में शामिल है। वर्ष 2024 में करीब 20 करोड़ यात्रियों ने डेल्टा से यात्रा की, कंपनी के बेड़े में लगभग 986 मेनलाइन एयरक्राफ्ट हैं, सहयोगी एयरलाइंस को मिलाकर रोज़ाना करीब 5500 फ्लाइट्स संचालित होती हैं, ये उड़ानें दुनिया भर के 325 से ज्यादा डेस्टिनेशंस तक जाती हैं, डेल्टा के प्रमुख हब (केंद्र) हैं—अटलांटा, मिनियापोलिस, डेट्रॉइट, साल्ट लेक सिटी। खास तौर पर अटलांटा हवाई अड्डा दुनिया के सबसे व्यस्त एयरपोर्ट्स में गिना जाता है।

ब्रांड से सबक

डेल्टा एयरलाइंस की कहानी हमें कई अहम सबक सिखाती है— संकट अंत नहीं होता, अगर रणनीति सही हो, नेतृत्व का उदाहरण कर्मचारियों में भरोसा पैदा करता है, रीस्ट्रक्चरिंग कमजोरी नहीं, बल्कि नई शुरुआत हो सकती है, इनोवेशन और अनुशासन किसी भी ब्रांड को दोबारा खड़ा कर सकते हैं, डेल्टा आज सिर्फ एक एयरलाइन नहीं, बल्कि यह मिसाल है कि सही फैसले, साहस और ईमानदार नेतृत्व से सबसे गहरे संकट से भी बाहर निकला जा सकता है।

नशे की लत: समाज के लिए बड़ी चुनौती

-आर्थिक, मानसिक और सामाजिक कारण बन रहे हैं नशे की जड़

हमारा समाज जिस दिशा में बढ़ रहा है, वहाँ एक नई और गहरी चिंता सिर उठा रही है—नशे की लत। अब तक इसे प्रायः युवाओं की समस्या माना जाता था, लेकिन अब इसका दायरा बढ़ता जा रहा है। हाल के वर्षों में महिलाओं के बीच नशे की लत में तेजी से वृद्धि हुई है। यह प्रवृत्ति केवल स्वास्थ्य का नहीं, बल्कि समाज के भविष्य का भी गंभीर संकट बन रही है। हाल ही में राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले की एक दर्दनाक घटना ने इस खतरे को उजागर किया, जब नशे की ओवरडोज लेने से एक गर्भवती महिला के गर्भस्थ शिशु की मौत हो गई। यह घटना एक चेतावनी है—कि नशे का जाल अब समाज के उस वर्ग तक पहुँच गया है, जिसे अब तक हम सुरक्षा, स्नेह और अनुशासन का प्रतीक मानते रहे हैं।

महिलाओं में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति: एक सामाजिक संकेत

महिलाएं भारतीय परिवार की धुरी होती हैं। घर की नींव, बच्चों की पहली शिक्षक और संस्कार देने वाली पहली संस्था मां ही होती है। ऐसे में अगर वही नशे की गिरफ्त में आ जाए, तो इसका असर केवल उसके शरीर या जीवन तक सीमित नहीं रहता; यह परिवार, बच्चों और समाज की जड़ों तक पहुँच जाता है। पिछले कुछ वर्षों में कई सर्वेक्षणों और रिपोर्टों में यह सामने आया है कि महानगरों से लेकर छोटे कस्बों तक महिलाएं शराब, ड्रग्स, सिगरेट, अफीम, चरस, स्मैक और सिंथेटिक ड्रग्स की गिरफ्त में आने लगी हैं। खासतौर पर 18 से 35 वर्ष की आयु वर्ग की महिलाएं इस लत से सबसे अधिक प्रभावित हो रही हैं। पहले जहां यह प्रवृत्ति केवल पुरुषों तक सीमित थी, वहीं अब यह लिंग भेद मिटाते हुए समाज के हर तबके में पैर पसार रही है।

कारण: क्यों बढ़ रही है महिलाओं में नशे की प्रवृत्ति

महिलाओं के नशे की गिरफ्त में आने के पीछे कई गहरे सामाजिक और मानसिक कारण हैं। मानसिक तनाव और अवसाद – आधुनिक जीवन की भागदौड़, प्रतिस्पर्धा, सामाजिक अपेक्षाएं और घरेलू कलह के बीच महिलाएं अक्सर मानसिक दबाव में रहती हैं। कई बार यह दबाव अवसाद का रूप ले लेता है, और फिर राहत की तलाश में महिलाएं नशे का सहारा ले लेती हैं। आर्थिक तंगी और असुरक्षा – गरीब तबके की महिलाएं अक्सर काम के बोझ और आर्थिक असुरक्षा से जूझती हैं। ऐसे में नशा उन्हें कुछ देर के लिए 'भूल जाने' का भ्रम देता है। फैशन और सोशल इन्फ्लुएंस – शहरी समाज में 'सोशल ड्रिंकिंग' या पार्टी कल्चर को आधुनिकता का प्रतीक मान लिया गया है। कई महिलाएं इसे स्टेटस सिंबल की तरह अपनाती हैं और धीरे-धीरे इसकी आदी हो जाती हैं। टूटी हुई पारिवारिक संरचना – परिवारों में संवाद की कमी, पति-पत्नी के बीच तनाव, एकल परिवार की बढ़ती प्रवृत्ति ने महिलाओं को भावनात्मक रूप से कमजोर बनाया है। ऐसे में कई महिलाएं अकेलेपन को मिटाने के लिए नशे की शरण में चली जाती हैं। आसानी से उपलब्धता – अब नशे का सामान गांव-कस्बों तक पहुंच गया है। ड्रग्स और शराब की अवैध बिक्री पर नियंत्रण कमजोर हुआ है। इसी वजह से महिलाएं भी आसानी से इस तक पहुँच पा रही हैं।

एक सामाजिक रोग में बदलता नशा

पहले नशा एक व्यक्तिगत कमजोरी या 'आदत' के रूप में देखा जाता था, लेकिन अब यह समाज की नसों में घुलता जा रहा है। जब घर की महिलाएं, जो एक पीढ़ी को संस्कार देती हैं, खुद इस गिरफ्त में आती हैं तो उसके दुष्प्रभाव दूरगामी होते हैं। नशे की वजह से न सिर्फ महिला का स्वास्थ्य बिगड़ता है, बल्कि परिवार का आर्थिक ढांचा भी हिल जाता है। बच्चों की परवरिश प्रभावित होती है, घरेलू हिंसा बढ़ती है और समाज में अपराध भी बढ़ते हैं। नशा उस आत्म-संयम को खत्म कर देता है जो किसी भी सभ्य समाज की बुनियाद होता है।

महिलाओं पर नशे के स्वास्थ्यगत प्रभाव

महिलाओं का शरीर नशे के प्रभाव को पुरुषों की तुलना में अधिक तेजी से झेलता है। गर्भवती महिलाओं पर असर: नशा गर्भस्थ शिशु के विकास को गंभीर रूप से प्रभावित करता है। नशे के सेवन से बच्चे का जन्म वज़न कम होता है, वह मानसिक या शारीरिक रूप से विकलांग पैदा हो सकता है। हार्मोनल असंतुलन: नशा महिलाओं के हार्मोनल सिस्टम को बिगाड़ देता है, जिससे मासिक चक्र की अनियमितता, प्रजनन संबंधी दिक्कतें और मानसिक अस्थिरता पैदा होती है। मानसिक रोगों का खतरा: नशे के बाद महिलाओं में अवसाद, चिंता, घबराहट, और आत्महत्या की प्रवृत्ति बढ़ जाती है।

सरकारी उदासीनता और नीतिगत कमी

वर्ष 2024 में राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने भी संसद में यह मुद्दा उठाया था कि देश में महिलाओं में नशे की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है और इसके लिए अलग से नीतियां बननी चाहिए। लेकिन अफसोस, अब तक इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। वर्तमान में अधिकांश नशा मुक्ति केंद्र पुरुषों पर केंद्रित हैं। महिलाओं के लिए सुविधाएं सीमित हैं, और जो हैं भी, वहाँ सामाजिक कलंक और असुरक्षा की वजह से महिलाएं जाने से कतराती हैं। सरकार को चाहिए कि वह महिलाओं के लिए अलग नशा मुक्ति नीति बनाए, जिसमें परामर्श, पुनर्वास और रोजगार के अवसरों को जोड़ा जाए। नशा मुक्ति केंद्रों में महिला चिकित्सक और काउंसलर नियुक्त किए जाएं ताकि पीड़ित महिलाएं खुलकर अपनी बात कह सकें।

समाज की भूमिका: केवल कानून काफी नहीं

नशे की लत का समाधान केवल कानून बनाकर नहीं किया जा सकता। यह एक सामाजिक समस्या है, जिसका हल समाज की भागीदारी से ही संभव है। परिवार में संवाद बढ़ाना जरूरी है। माता-पिता को अपने बच्चों, खासकर बेटियों के साथ संवाद का रिश्ता बनाना चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में नशा विरोधी शिक्षा को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। महिला स्वयंसेवी संगठनों को इस दिशा में काम करना चाहिए ।

वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए सतत् वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्र संचालित- भजनलाल शर्मा

-हरियालो राजस्थान पर्यावरण कॉन्क्लेव, प्रकृति के प्रति सम्मान हमारी सरकार की नीतियों और अभियानों की प्रेरणा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रकृति के सम्मान की भारतीय संस्कृति की परंपराओं को राज्य सरकार ने अपनी नीतियों एवं अभियानों का प्रेरणास्रोत बनाया है। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि पर्यावरण संरक्षण का व्यक्तिगत संकल्प लेते हुए वे राजस्थान को विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी अग्रणी बनाएं ताकि आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित भविष्य मिले। शर्मा गुरूवार को जयपुर में आयोजित हरियालो राजस्थान पर्यावरण कॉन्क्लेव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हमारे देश और प्रदेश की संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रहा है। हम नदियों, पर्वतों, वृक्षों, धरती, सूर्य को पूजते हैं क्योंकि जीवन की निरंतरता प्रकृति के संरक्षण पर ही निर्भर है। उन्होंने कहा कि हमारे प्रदेश में 'खेजड़ली का बलिदान' पर्यावरण संरक्षण का सबसे बड़ा उदाहरण है।

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान बना आंदोलन, कर्मभूमि से मातृभूमि की जल संचयन में अहम भूमिका-

मुख्यमंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन, वायु प्रदूषण और जल संकट जैसी गंभीर चुनौतियों के दृष्टिगत राज्य सरकार ने पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाया है। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के माध्यम से पारंपरिक जल स्रोतों के पुनर्जीवन, वर्षा जल संचयन और जलाशयों की स्वच्छता को जनभागीदारी से जोड़ा गया है। वहीं, कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के माध्यम से प्रवासी राजस्थानियों को जोड़ते हुए 14 हजार से अधिक ग्राउंड वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर्स का निर्माण करवाया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरित हरियालो राजस्थान अभियान के अंतर्गत दो वर्ष में लगभग बीस करोड़ पौधे लगाए गए हैं।

क्लीन और ग्रीन टेक्नोलॉजी को प्रोत्साहित करने के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस-

शर्मा ने कहा कि ग्रीन बजट जलवायु परिवर्तन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। क्लाइमेट एक्शन प्लान-2030 और क्लीन और ग्रीन टेक्नोलॉजी को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना की जा रही है। उन्होंने कहा कि वायु प्रदूषण की चुनौती से निपटने के लिए प्रदेश में सतत् वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्रों द्वारा मोबाइल वैन के माध्यम से रियल टाइम मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जा रही है।

सिंगल यूज प्लास्टिक के विरुद्ध अभियान-

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सर्कुलर इकोनॉमी इंसेंटिव स्कीम- 2025 लेकर आई है। प्रदेश में ई-वेस्ट, प्लास्टिक वेस्ट और बैटरी वेस्ट के सुरक्षित निस्तारण के लिए अधिकृत इकाइयां संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक के विरुद्ध जन-जागरूकता और रिवर्स वेंडिंग मशीनों के माध्यम से प्लास्टिक संग्रह को व्यापक स्तर पर प्रोत्साहित किया जा रहा है। हम प्रदेश को ग्रीन इनोवेशन हब के रूप में स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रहे हैं।

रॉक फॉस्फेट में राजस्थान का लगभग एकाधिकार, उत्पादकता और आपूर्ति बढाएं आरएसएमएम- मुख्य सचिव

-खेती में रॉकफॉस्फेट और जिप्सम की प्रमुख भूमिका -आरएसएमएम द्वारा नवंबर तक 43 लाख 15 हजार टन खनिजों की बिक्री

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राजस्थान स्टेट माइंस एवं मिनरल्स (आरएसएमएम) की माइंस में खनिज उत्पादन बढ़ाने और आकर्षक विपणन के निर्देश दिए हैं। आरएसएमएम द्वारा चालू वित्तीय वर्ष में नवंबर माह तक 43 लाख 15 हजार टन रॉक फॉस्फेट, लिग्नाइट, जिप्सम और लाइमस्टोन उपलब्ध कराया जा चुका है। मुख्य सचिव ने कहा कि खेती में उपयोगी रॉक फॉस्फेट के भण्डार समूचे देश में राजस्थान में ही उपलब्ध है। ऐसे में आयात निर्भरता कम करने और डीएपी और एसएसपी उत्पादक संस्थाओं की रॉक फॉस्फेट जरुरतों की पूर्ति के योजनाबद्ध प्रयास किये जाएं। उन्होंने कहा कि रॉक फॉस्फेट और जिप्सम का उत्पादन बढ़ाकर खेती के संवर्धन और विकास में आरएसएमएम महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। मुख्य सचिव गुरुवार को सचिवालय में आरएसएमएम की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि आरएसएसएम द्वारा प्रदेश में रॉक फॉस्फेट, लिग्नाइट, जिप्सम और लाइमस्टोन का खनन किया जा रहा है। देश की जरुरत के 30 प्रतिशत रॉकफॉस्फेट के भण्डार राजस्थान में है। बीकानेर, बाड़मेर और नागौर में जिप्सम के भण्डार है। बीकानेर में आरएसएमएम द्वारा जिप्सम का खनन किया जा रहा है। ऐसे में जिप्सम के खनन और उपलब्धता से भी मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ाने में योगदान दिया जा सकता है। लाइमस्टोन और लिग्नाइट के उत्पादन को भी बढ़ाने की आवश्यकता है। मुख्य सचिव ने खनिज खनन में नवीनतम तकनीक के उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि इससे मिनरल्स की छीजत कम होगी और सतत् खनन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने खनन कार्य में स्टेंडर्ड सुरक्षा मानकों की पालना करने, उत्पादकता और लाभदायकता को बढ़ाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने ऑडिट करवाकर वार्षिक साधारण सभा आयोजित कराने के निर्देश भी दिए। प्रमुख सचिव, माइंस टी. रविकान्त ने बताया कि आरएसएमएम की उदयपुर के झामरकोटड़ा में रॉक फॉस्फेट, बाड़मेर और नागौर में लिग्नाइट, जैसलमेर के सानू में एसएमएस ग्रेड लाइमस्टोन व सफेद सीमेंट और नागौर में केमिकल ग्रेड लाइमस्टोन की माइंस है। बीकानेर के ढ़ाणी अब्दुल्लाह, बलार और लारेवाला में जिप्सम का खनन किया जा रहा है। विविधिकरण के तहत जैसलमेर में 106.3 मेगावाट का विंड पावर प्लांट संचालित किया जा रहा है। रविकान्त ने कहा कि आरएसएमएम को खनन कार्य के साथ ही विपणन व्यवस्था को भी प्रभावी बनाना होगा ताकि आरएसएमएम के कारोबार और लाभदायकता में बढ़ोतरी हो सके। प्रबंध निदेशक सुश्री प्रज्ञा केवलरमानी ने बताया कि आरएसएमएम ने नवंबर माह तक 1192 करोड़ रुपए से अधिक का कारोबार कर 337 करोड़ से अधिक का कर पूर्व लाभ अर्जित किया है। नवंबर माह तक 797 करोड़ रुपये का रॉकफॉस्फेट, 3.62 करोड़ का जिप्सम, 177. 91 करोड़ का लाइमस्टोन और 140.85 करोड़ रुपये के लिग्नाइट का कारोबार किया गया है। इसके साथ ही 73.51 करोड़ रुपये का कारोबार विण्ड व सोलर उर्जा और अन्य क्षेत्र से हुआ है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सरस राजसखी राष्ट्रीय मेले का किया शुभारंभ

-महिला स्वयं सहायता समूहों से किया संवाद
-कहा- 'ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिला बल, महिलाएं हो रहीं सशक्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को जवाहर कला केन्द्र में सरस राजसखी राष्ट्रीय मेले का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने देश-प्रदेश की महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगाई गई विभिन्न स्टॉल्स का अवलोकन कर उत्पादों के बारे में जानकारी ली और उनके हुनर की प्रशंसा की। इस अवसर पर शर्मा ने लखपति दीदी एवं स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं से आत्मीयता के साथ संवाद किया। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाएं सशक्त हो रही हैं जिससे ग्रामीण व्यवस्था का विस्तार हो रहा है। वे अपना घर संभालने के साथ ही देश की अर्थव्यवस्था में अहम भूमिका निभा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरस मेला इस बात का प्रमाण है कि जब सही नीति, सशक्त संस्थागत ढांचा और प्रभावी क्रियान्वयन एक साथ आते हैं तो ग्रामीण महिलाओं के जीवन में स्थायी और समावेशी परिवर्तन संभव होता है। यह मेला आत्मनिर्भर राजस्थान-आत्मनिर्भर भारत के हमारे संकल्प का प्रतीक भी है। उल्लेखनीय है कि 4 जनवरी तक चलने वाले इस सरस राजसखी राष्ट्रीय मेले में ग्रामीण भारत की समृद्ध परंपराओं, शिल्प कौशल एवं कलाओं का प्रदर्शन किया जा रहा है। इस मेले में राजस्थान सहित 24 राज्यों की लगभग 300 स्टॉल्स लगाई गई हैं। इनमें देश के विभिन्न हिस्सों की ग्रामीण परंपरा, लोक कला, लोक शिल्प, वस्त्र परंपराएं, हैंडलूम एवं हैंडीक्राफ्ट उत्पादों का प्रदर्शन और विक्रय किया जा रहा है। इस दौरान मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव ग्रामीण विकास श्रेया गुहा, आजीविका परियोजनाएं एवं स्वयं सहायता समूह की स्टेट मिशन निदेशक नेहा गिरी सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

प्रदेश में सौर ऊर्जा और बैटरी स्टोरेज की नवीन संभावनाएं तलाशें- भजनलाल शर्मा

-रबी सीजन में किसानों को पर्याप्त विद्युत आपूर्ति हो सुनिश्चित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा गत 2 वर्षों में लिए गए निर्णयों से प्रदेश की विद्त उत्पादन क्षमता में वृद्धि हुई है। साथ ही, किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराने के लिए भी ठोस कदम उठाए गए हैं। उन्होंने ऊर्जा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि रबी सीजन में किसानों को पर्याप्त और निर्बाध विद्त आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। शर्मा गुरूवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में विद्त आपूर्ति के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने राज्य में विद्त आपूर्ति में आ रही समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए जिम्मेदार कार्मिकों की फील्ड विजिट में वृद्धि के लिए निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रदेश में बिजली की मांग के अनुरूप विद्त उत्पादन का संतुलन बनाने की स्थायी कार्ययोजना तैयार कर मुख्यमंत्री कार्यालय को अवगत कराएं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रदेश की विद्त उत्पादन क्षमता में वृद्धि एवं वितरण तंत्र को मजबूत बनाने के लिए योजना के अनुरूप कार्य किया जाए। उन्होंने ऊर्जा विभाग को प्रदेश में बैटरी स्टोरेज के साथ ही सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए नवीन क्षेत्रों में संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए। उन्होंने पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के संचालन में प्रगति लाने के लिए भी निर्देशित किया। इस दौरान मुख्यमंत्री को ऊर्जा विभाग की ओर से प्रजेंटेशन के माध्यम से प्रदेश में विद्त आपूर्ति की जानकारी दी गई। इस अवसर पर ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित मुख्यमंत्री कार्यालय एवं ऊर्जा विभाग के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

तीन दिवसीय मदरसा शिक्षक प्रशिक्षण का सफल आयोजन

-डीएमडब्ल्यूओ जयपुर ने किया मार्गदर्शन

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । अल्पसंख्यक मामलात विभाग एवं UNFPA के सहयोग से स्कूल स्वास्थ्य एवं कल्याण कार्यक्रम (School Health and Wellness Programme – SHWP) के अंतर्गत राजस्थान के सभी जिलों से आए मदरसा शिक्षकों के लिए तीन दिवसीय क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण का आयोजन होटल इंडो प्राइम, जयपुर में सफलतापूर्वक किया गया, जिस में लगभग 70 शिक्षकों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य मदरसा शिक्षकों को किशोर-किशोरियों के सर्वांगीण विकास, स्वास्थ्य, पोषण, भावनात्मक कल्याण, जेंडर संवेदनशीलता एवं जीवन कौशल से संबंधित विषयों पर सशक्त बनाना था, ताकि वे विद्यालय स्तर पर SHWP को प्रभावी रूप से लागू कर सकें। कार्यक्रम के समापन समारोह में जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी (DMWO), जयपुर श्री अभिषेक सिंह ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि "मदरसा शिक्षक समाज के एक महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। यदि शिक्षक स्वयं संवेदनशील, जागरूक और प्रशिक्षित होंगे तो किशोरों का सकारात्मक मार्गदर्शन सुनिश्चित किया जा सकता है।" उन्होंने स्कूल स्वास्थ्य एवं कल्याण कार्यक्रम को विद्यार्थियों के जीवन में व्यवहारगत परिवर्तन लाने का एक सशक्त माध्यम बताया। अपने अनुभव साझा करते हुए जिला जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी (DMWO), जयपुर ने कहा कि स्कूल स्वास्थ्य एवं कल्याण कार्यक्रम (SHWP) पिछले एक वर्ष से जयपुर और अजमेर के मदरसों में पायलट आधार पर संचालित किया जा रहा है, जिसके परिणाम अत्यंत उत्साहजनक सामने आए हैं। उन्होंने बताया कि किशोरों में अब प्रश्न पूछने की क्षमता विकसित हुई है, जेंडर आधारित भेदभाव को लेकर उनकी समझ में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, तथा SHWP की कक्षाएं करने में वे विशेष रुचि और आनंद महसूस कर रहे हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से मदरसों और शिक्षकों में भी सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिला है और शिक्षण–अधिगम का वातावरण पहले की तुलना में कहीं अधिक बेहतर हुआ है। तीन दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक व भावनात्मक परिवर्तन, भावनाओं का प्रबंधन, सकारात्मक पुरुषत्व, जेंडर भूमिकाएं, पोषण आवश्यकताएं, हिंसा से निपटना, सुरक्षित व्यवहार, संवाद कौशल सहित विभिन्न विषयों पर सहभागितापूर्ण एवं गतिविधि आधारित सत्रों के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया। समापन सत्र में प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए और भविष्य में मदरसों में SHWP सत्रों को नियमित रूप से संचालित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. शफीक़ अहमद ने अपनी संस्था CKD–IPE Global तथा साझेदार एजेंसियों UNFPA, अल्पसंख्यक मामलात एवं वक़्फ़ विभाग और राजस्थान मदरसा बोर्ड के सहयोग एवं सक्रिय भागीदारी की सराहना की। उन्होंने कहा कि इन सभी संस्थाओं के समन्वित प्रयासों से ही मदरसा शिक्षकों के लिए यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित हो सका।

ऑपरेशन प्रवर्तन के तहत अवैध गैस रिफिलिंग कारोबार का किया भंडाफोड़

-जयपुर जिले में हुई दो कार्रवाई में कुल 546 गैस सिलेंडर किये गए जब्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर जिला रसद अधिकारी प्रथम ने जयपुर में अवैध गैस रिफिलिंग के खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। ऑपरेशन प्रवर्तन के तहत प्राप्त सूचना के आधार पर जिला रसद अधिकारी जयपुर प्रथम द्वारा तत्काल दो विशेष सतर्कता दलों का गठन किया गया। जिला रसद अधिकारी प्रियव्रत सिंह चारण के नेतृत्व में गठित इन सतर्कता दलों द्वारा जयपुर शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में दबिश देकर अवैध गैस रिफिलिंग के मामलों का पर्दाफाश किया गया। प्रथम सतर्कता दल द्वारा सत्यम रेजिडेंसी के पास जगतपुरा वार्ड संख्या 68 जयपुर में दबिश दी गई। मौके पर अवैध गैस रिफिलिंग करते हुए कुल 441 कमर्शियल गैस सिलेंडर जब्त किए गए। कार्रवाई के दौरान हिंदुस्तान पेट्रोलियम अंकित एक ट्रक से भारत पेट्रोलियम के 322 भरे हुए सिलेंडर, एक पिकअप वाहन से 13, एक अल्टो कार से 03, एक कमरे से 10 तथा जमीन पर रखे 93 कॉमर्शियल गैस सिलेंडर बरामद किए गए। मौके पर एचपीसीएल एवं बीपीसीएल दोनों कंपनियों के सिलेंडर पाए गए। इसके अतिरिक्त मौके से 03 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया तथा 03 मोबाइल फोन, 01 भट्टी, 02 रबर पाइप एवं 02 रेगुलेटर जब्त किए गए। द्वितीय सतर्कता दल द्वारा बड़ा रामद्वारा, सांगानेर जयपुर में दबिश दी गई। यहां से 21 घरेलू एवं 84 कमर्शियल गैस सिलेंडर, कुल 105 सिलेंडर जब्त किए गए। साथ ही अवैध रिफिलिंग में प्रयुक्त सामग्री 05 रेगुलेटर, 02 रबर पाइप, 01 इलेक्ट्रॉनिक कांटा, 01 भट्टी, 02 रिफिलिंग बॉसूरी तथा सांगानेर गैस एजेंसी के बिल वाउचर भी जब्त किए गए। इस प्रकरण में 01 व्यक्ति को मौके से पकड़ा गया। दोनों कार्रवाइयों के दौरान कुल 546 घरेलू एवं कमर्शियल गैस सिलेंडर, 01 पिकअप वाहन, 01 इलेक्ट्रॉनिक कांटा, 02 रिफिलिंग बांसुरी, 07 रेगुलेटर, 02 भट्टी एवं 04 रबर पाइप जब्त किए गए। साथ ही मौके से कुल 04 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया।

कॉंग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अजमेर शरीफ़ दरगाह के उर्स मुबारक के अवसर पर अक़ीदतों की चादर रवाना की

नई दिल्ली । अमन, मुहब्बत और भाईचारे के पावन संदेश के साथ आज कॉंग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अजमेर शरीफ़ दरगाह के उर्स मुबारक के अवसर पर अक़ीदतों की चादर रवाना की। यह कार्यक्रम अखिल भारतीय कॉंग्रेस कमेटी के अल्पसंख्यक विभाग के आह्वान पर मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर आयोजित किया गया, जिसमें देश के लगभग हर राज्य से कॉंग्रेस के प्रतिनिधि दिल्ली पहुँचे। अल्पसंख्यक विभाग का प्रतिनिधिमंडल आगामी 24 दिसम्बर को अजमेर शरीफ़ दरगाह पर पहुँचकर दरगाह मुबारक पर चादर पेश करेगा। इस अवसर पर राजस्थान से पधारे प्रतिनिधियों द्वारा राष्ट्रीय कॉंग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन तथा AICC अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी का 21 किलो की माला पहनाकर भव्य सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम में राजस्थान से राजस्थान प्रदेश कांग्रेस (अल्पसंख्यक विभाग) के अध्यक्ष एवं राजस्थान मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष एम.डी. चोपदार, विधायक अमीन कागज़ी, विधायक ज़ाकिर गैसावत, पूर्व राज्य मंत्री धर्मेन्द्र राठौड़, पूर्व मंत्री सलावत ख़ां, मकसूद अहमद, कांग्रेस प्रत्याशी रहे आर्यन ज़ुबेर, इमरान तिजारा, असलम निर्वाण, चाँद मोहम्मद चिश्ती, रशीदा ख़ान, पीस मिशन राजस्थान के अध्यक्ष नियाज़ अहमद (निकू भाई), वाजिद अली चीता, मुख़्तार अहमद कामां, एडवोकेट सगीर अहमद, सदीक चौहान, अनीश ख़ान, साहुन ख़ान, गुलसाद ख़ान, हमाद चिश्ती अजमेर एवं इमरान चौधरी सहित अनेक वरिष्ठ नेतागण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी नेताओं ने अजमेर शरीफ़ दरगाह की रिवायतों को देश में आपसी सौहार्द, शांति और एकता का प्रतीक बताते हुए देशवासियों के लिए अमन और तरक्की की दुआ की।

आवश्यक नम्बर

बिजली फॉल्ट के लिए

टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए

ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए

साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए

जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए

एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए

नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

मुस्लिम महासभा के प्रदेश सचिव बने सरफूदीन खान, समाज में खुशी की लहर, शुभचिंतकों ने दी बधाई

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुस्लिम महासभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष रेशमा सोलंकी, राष्ट्रीय संरक्षक सिकंदर पठान एवं राष्ट्रीय प्रभारी अमजद पठान की विशेष अनुसंशा पर राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष इकबाल खान भाटी ने जयपुर निवासी सरफूदीन खान को प्रदेश सचिव के रूप में नियुक्त किया है। नियुक्ति आदेश जारी होते ही पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। मुस्लिम समाज के लोगों ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए इसे संगठन को नई ऊर्जा और दिशा देने वाला कदम बताया। सरफूदीन खान लंबे समय से समाजसेवा, शिक्षा प्रसार और युवाओं के मार्गदर्शन से जुड़े रहे हैं। उन्होंने सदैव समाज में एकता, भाईचारा और शिक्षा के प्रसार के लिए सक्रिय भूमिका निभाई है। उनकी मेहनत और समर्पण को देखते हुए संगठन ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। मुस्लिम महासभा का प्रमुख उद्देश्य "तालीम, तंजीम और तिजारत" — यानी शिक्षा, संगठन और व्यापार के माध्यम से समाज को मुख्यधारा से जोड़ना है। संगठन देशभर में मुस्लिम समुदाय की सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक तरक्की के लिए काम कर रहा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष रेशमा सोलंकी ने कहा कि सरफूदीन खान जैसे जुझारू और ईमानदार कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ हैं। हमें विश्वास है कि उनके नेतृत्व में राजस्थान प्रदेश में संगठन और अधिक मजबूत होगा। वहीं राष्ट्रीय प्रभारी अमजद पठान ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि मुस्लिम महासभा समाज के उत्थान की दिशा में काम कर रही है। सरफूदीन खान की नियुक्ति से राजस्थान में संगठन की गतिविधियाँ और तेजी से आगे बढ़ेंगी। राष्ट्रीय महासचिव आबिद खान,प्रदेश मीडिया प्रभारी अजीम खान चिनायटा व संभाग प्रभारी मोहम्मद रफीक ने सोशल मीडिया के माध्यम से सरफूदीन खान को हार्दिक बधाई दी और कहा कि सरफूदीन खान की नियुक्ति संगठन के लिए गौरव की बात है। उनके नेतृत्व में जिले में शिक्षा, रोजगार और सामाजिक एकता के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे। इसके अलावा कई समाजसेवियों, कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों, मोहम्मद रफीक ताज, बरकत अली सहजाद खान,अलीम खान, शब्बीर खान, पप्पू खान, वसीम खान, महबूब खान, असलम खान, राशिद खान, इस्लाम खान ने भी सरफूदीन खान को शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं सरफूदीन खान ने राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय कार्यकारिणी, प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश कार्यकारिणी व सभी शुभचिंतकों का आभार व्यक्त किया।

जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने किया व्यावसायिक शिक्षा वाले पीएमश्री राउमावि व राउमावि के प्रधानाचार्यों के प्रशिक्षण सत्र का पर्यवेक्षण

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने गुरुवार को जिला मुख्यालय स्थित पीएमश्री राजकीय बागला उमावि में चल रहे व्यावसायिक शिक्षा वाले पीएमश्री राउमावि व राउमावि के प्रधानाचार्यों के प्रशिक्षण सत्र का पर्यवेक्षण कर विविध गतिविधियों पर चर्चा की। इस अवसर पर जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों में उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम और प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाना चाहिए, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर, सकारात्मक एवं प्रेरणादायी शैक्षणिक वातावरण मिल सके। विद्यार्थियों को इनोवेशन के लिए प्रेरित करें और उन्हें तकनीकी रूप से सुदृढ़ करें। उन्होंने कहा कि पीएमश्री विद्यालयों व व्यावसायिक शिक्षा वाले विद्यालयों में नामांकन बढ़ाएं तथा गुणात्मक दृष्टि से बेहतरीन परीक्षा परिणाम पर फोकस करें। जिला कलक्टर सुराणा ने प्रशिक्षण सत्र में विद्यालय प्रबंधन, शैक्षणिक गुणवत्ता, व्यावसायिक शिक्षा के प्रभावी क्रियान्वयन, विद्यार्थियों के कौशल विकास तथा नवाचार आधारित शिक्षण गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने प्रधानाचार्यों को विद्यालयों में शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ सह-शैक्षणिक गतिविधियों, छात्र सहभागिता, डिजिटल संसाधनों के उपयोग पर विशेष ध्यान देने की बात कही। प्रशिक्षण में जिले के 16 पीएमश्री राउमावि तथा 92 राउमावि के प्रधानाचार्यों ने भाग लिया। इस दौरान सीडीईओ संतोष महर्षि, एडीपीसी सरिता आत्रेय, मुकुल भाटी, मनोज सोलंकी, सुरेन्द्र महला, बबीता सहित अन्य मौजूद रहे।

वक्फ संपत्तियों में संशोधन के लिए विशेष शिविर 24 दिसंबर को

-उम्मीद पोर्टल पर चढ़ी हुई संपत्तियों के संशोधन कर सकेगी वक्फ कमेटियां

बारां (रॉयल पत्रिका)। वक्फ कमेटी बारां के प्रवक्ता शोएब अख्तर ने बताया कि राजस्थान बोर्ड ऑफ मुस्लिम वक्फस जयपुर द्वारा राज्य की तमाम वक्फ कमेटियों को लेटर जारी कर बताया कि उम्मीद पोर्टल पर चढ़ी हुई वक्फ संपत्तियों में रही कुछ खामियों ओर उनसे संबंधित संशोधन के लिए राजस्थान वक्फ बोर्ड द्वारा जिलेवार शिविर का आयोजन किया जाएगा। उसी क्रम में 24 दिसंबर 2025 बुधवार को कार्यालय वक्फ कमेटी बारां में चेयरमैन इरफान अंसारी की अध्यक्षता में शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में राजस्थान वक्फ बोर्ड से जिला प्रभारी अब्दुल हफीज भी मौजूद रहेंगे। चेयरमैन इरफान अंसारी ने बताया कि उम्मीद पोर्टल पर गत 06 दिसंबर को जिले की सो फीसदी संपत्तियों का रजिस्ट्रेशन कर दिया गया था। लेकिन राज्य में कई जगह संपत्तियों के अपडेशन में खामियों को लेकर ये विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। चेयरमैन अंसारी ने बताया कि 24 दिसंबर को आयोजित होने वाले शिविर के लिए तमाम तैयारियां पूर्ण कर ली गई है, जिसमें वक्फ संपत्तियों को उम्मीद पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करने वाली पूरी टीम शिविर में मौजूद रहेंगी।

कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग बारां के जिलाध्यक्ष अली हुसैन टीपू ने प्रदेश अध्यक्ष एम. डी. चोपदार से की मुलाकात

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग द्वारा हाल ही में नवनियुक्त जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग बारां के जिला अध्यक्ष अली हुसैन टीपू ने शुक्रवार को जयपुर में प्रदेश अध्यक्ष एम डी चौपदार के निवास पर उनसे मुलाकात की। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेशाध्यक्ष एम डी चोपदार ने जिलाध्यक्ष अली हुसैन टीपू को नई जिम्मेदारी के लिए उनको माला पहनाकर और मुंह मीठा करवाकर मुबारकबाद दी। इस दौरान राजस्थान के पूर्व वक्फ बोर्ड चेयरमैन सलावत खान, सोहेल खान, बंटी मेवाती, अनस खान आदि मौजूद रहे।

रक्तकोष फाउंडेशन के संजय मेघवाल ब्रांड एंबेसडर व मनीष महावर जिला प्रवक्ता नियुक्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। रक्तकोष फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. जितेन्द्र सोनी आईएएस की सहमति से तथा राष्ट्रीय संयोजक डॉ. अनिल मर्मिट की अनुशंसा पर फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामगोपाल विश्नोई ने बारां जिला ब्रांड एंबेसडर पद पर नर्सिंग ऑफिसर संजय मेघवाल को तथा बारां जिला प्रवक्ता पद पर मनीष महावर को नियुक्त किया हैं। फाउंडेशन के बारां जिलाध्यक्ष नन्दलाल केसरी ने बताया कि इनकी नियुक्त से बारां जिले में होने वाले रक्तदान शिविरों तथा रक्तदान के प्रति जागरूकता करने मे ओर अधिक गति मिलेगी। संजय मेघवाल तथा मनीष महावर की नियुक्ति पर जिला संयोजक दुर्गा प्रसाद प्रजापति, जिला उपाध्यक्ष सत्यनारायण मीना कोयला, जिला सचिव साजिद खान, जिला मीडिया प्रभारी राकेश मीना, अंता तहसील अध्यक्ष पुरुषोत्तम मेहरा, माँगरोल अध्यक्ष सुरेश मीना, शाहबाद अध्यक्ष भुवनेश गोस्वामी, किशनगंज अध्यक्ष बनवारी मीना, बारां अध्यक्ष भवानी सुमन, अटरू अध्यक्ष प्रयागराज गुर्जर, छबड़ा अध्यक्ष जुगल नागर, छिपाबड़ोद अध्यक्ष पवन वैष्णव, कवाई उपतहसील अध्यक्ष पवन जोशी, हरनावदाशाहजी उप तहसील अध्यक्ष भगवानसिंह लोधा सहित ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी। जिला कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण रविवार 21 दिसंबर को रक्तदान शिविर के साथ ग्राम बालापुरा हनुमान मन्दिर परिसर में आयोजित होगा।

समारोह में महिलाओं को मिला योजनाओं का लाभ

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिला प्रशासन की ओर से वर्तमान राज्य सरकार के दो वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शुक्रवार को जिला परिषद सभागार में समारोह आयोजित कर विभिन्न योजनाओं के पात्र लाभार्थियों को सहायता राशि प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने लाभार्थियों एलईडी स्क्रीन पर लाइव संबोधित करते हुए प्रदेश में महिला सशक्तिकरण के लिए कार्यों के बारे में जानकारी दी। समारोह में जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर, अतिरिक्त जिला कलक्टर भंवरलाल जनागल, उप जिला प्रमुख छीतरलाल मेघवाल, समाजसेवी नरेश सिंह सिकरवार, ओमप्रकाश पारेता, जयेश गालव सहित अन्य अधिकारी व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के तहत पेंशन राशि वितरण, मुख्यमंत्री रसोई गैस सब्सिड़ी योजना, पालनहार योजना के अन्तर्गत सहायता राशि वितरण, मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति योजना, अनुसूचित जातियों एवं जनजाति के छात्रों को पूर्व मैट्रिक छात्रवृत्ति, लाडो योजना के लाभार्थियों को राशि का वितरण किया गया। साथ ही हेल्थ इंशोरेंस कार्ड की इन्टर-आपरेबिलिटी की शुरूआत की गई। इस दौरान जिले के राजीविका महिला स्वयं सहायता समूह को दस करोड़ रूपए की आर्थिक सहायता का चैक प्रदान किया गया। वहीं स्कूली छात्राओं को साइकिल का वितरण किया गया। कार्यक्रम का संचालन सुनील शर्मा ने किया।

PWD विभाग कि मिली भगत से ठेकेदार ने पेच वर्क कार्य में किया खानापूर्ति, ग्रामीणों ने किया विरोध प्रदर्शन

हिंडौन सिटी (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार गांव से लेकर शहर की सड़कों को गड्ढा मुक्त करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। वहीं करौली जिले के पीडब्ल्यूडी के अधिकारी सरकार के आदेशों को पलीता लगा रहे है। विभाग के अधिकारियों की कार्यशैली समझ नहीं आ रही है। विभाग के अधिकारियों द्वारा पेचवर्क कार्य में गांव से लेकर शहर की सड़कों को गड्ढा मुक्त करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। रामधार, बाबू नें बताया की यहां पर 10 से 15 वर्ष से कोई सड़क बनाने का कार्य ही नहीं हुआ। नही गड्डों को भरने का कार्य हुआ है। पहले भी यही हालात थे और अब भी यही हालात हैं।जमालपुर रोड पर पेचवर्क का कार्य तो किया गया लेकिन वहां भी कुछ जगहों पर गड्ढे छोड़ दिए गए, व पेच वर्क कार्य मे भी गढ़ों में गिट्टी नहीं डाली गई, सिर्फ डामरीकरण से पेच वर्क कार्य किया गया जो 2 से 3 दिन भी नहीं चल सकता सरकार को पीडब्ल्यूडी के ठेकेदारो द्वारा सिर्फ काम के नाम पर लीपापौती कि जा रही है किया सरकार ऐसे अधिकारी व ठेकेदारों पर करेगी कोई कार्रवाई या इसी प्रकार से चलता रहेगा खेल।

स्कूल बस चालकों को दी सड़क सुरक्षा की जानकारी, मानकों के पालन के निर्देश

बारां (रॉयल पत्रिका)। सड़क सुरक्षा को लेकर निरंतर जागरूकता अभियान के तहत शुक्रवार को जिला परिवहन अधिकारी डॉ. कल्पना शर्मा के नेतृत्व में विभिन्न विद्यालयों में बालवाहिनियों के निरीक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान सेंट्रल एकेडमी सीनियर सेकंडरी स्कूल, मॉडर्न सीनियर सेकंडरी स्कूल, सेंट पॉल सीनियर सेकंडरी स्कूल, अपेक्स इंटरनेशनल स्कूल तथा शेमफोर्ड सीनियर सेकंडरी स्कूल में जाकर बाल वाहिनी (स्कूल बस/वैन) चालकों को सड़क सुरक्षा के नियमों की जानकारी दी गई। साथ ही चालकों को निर्धारित ड्रेस पहनने, अनुशासन बनाए रखने एवं बच्चों को सुरक्षित तरीके से बस में चढ़ाने-उतारने संबंधी आवश्यक सावधानियों पर विशेष रूप से समझाइश दी गई। इस दौरान परिवहन निरीक्षक नवरतन मीणा भी मौजूद रहे। जिला परिवहन अधिकारी डॉ कल्पना शर्मा ने बताया कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि है, इसके लिए बाल वाहिनी चालकों एवं विद्यालय प्रबंधन को अपने दायित्वों का पूर्ण रूप से पालन करना आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए कि विद्यालय के पास की सड़क पर मानकों के अनुरूप स्पीड ब्रेकर एवं जेब्रा क्रॉसिंग बनी हो तथा 25 किलोमीटर प्रति घंटा की गति सीमा का यातायात संकेतक अनिवार्य रूप से लगा हो। बाल वाहिनी चालक के पास व्यावसायिक वाहन चलाने का कम से कम पांच वर्ष का अनुभव हो एवं वैध चालन अनुज्ञा पत्र होना चाहिए। चालक एवं परिचालक निर्धारित यूनिफॉर्म में ही कार्य करें। प्रत्येक बाल वाहिनी वाहन पर चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 स्पष्ट रूप से अंकित होना चाहिए। परिवहन विभाग द्वारा किए गए इस प्रयास को विद्यालय प्रबंधन एवं अभिभावकों ने सराहा और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

बच्चों को चार बजे उठने और सुबह तीन घंटे घर पर पढ़कर शाला आने की प्रेरणा दी

मोहम्मद अली पठान

चुरु (रॉयल पत्रिका) । जिला मुख्यालय के निकटवर्ती गांव लालासर में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के सभागार में आयोजित मोटि वेशनल कार्यक्रम में मुख्य वक्ता एडवोकेट रामेश्वर प्रजापति ने बच्चों को संस्कारित शिक्षा देते हुए बच्चों को प्रातः चार बजे उठने व सुबह कम से कम तीन घंटे घर पर पढ़कर शाला आने का स्वैच्छिक संकल्प दीलाया। उन्होंने कहा कि प्यारे बच्चों लक्ष्य बनाकर सकारात्मक सोच के साथ बुजुर्गो के आशीर्वाद से आगे बढ़ना है और पढ़ना है उन्होंने बच्चों को प्रातः जल्दी उठने के, लिखकर याद करने के, अंकुरित अनाज को भोजन का हिस्सा बनाने के, प्रयाप्त पानी पिटने के अनगिनत फायदे बताते हुए स्मार्टफोन फोन के नुकसान की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को संघर्ष से आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हुए बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर, स्वामी गोपाल दास, स्वामी केशवानंद, एपीजे अब्दुल कलाम, एकलव्य, चौधरी कुम्भाराम आर्य आदि की जिवन संघर्ष से प्रेरणा लेकर ऊंचाईयों को छूने की प्रेरणा दी। उन्होंने बच्चों से कहा कि अच्छा स्वास्थ्य के लिए शुद्ध खान, व्यायाम, ध्यान योग, सादा सुती पहनावा को अपनाने की प्रेरणा दी। शाला प्रधान भानु प्रकाश शर्मा ने कहा कि विद्यार्थी को अनुशासित रह कर हर सैकैंड का सदुपयोग करते हुए पढ़ना चाहिए और बुजुर्गो के साथ भी समय निकाल कर शाश्वत आशीर्वाद लेना चाहिए । कार्यक्रम प्रभारी लक्ष्मी नारायण ढाका ने कहा कि विद्यार्थी को आदर्श बालक के रूप में शाला आना चाहिए और अपनी छोटी छोटी आदतै में सुधार कर जुनून से पढ़ाई करनी चाहिए। कार्यक्रम में रजनी मूण्ड, विजेंद्र सिंह,डेडराज कंस्वा,उतम सिंह राठौड़, ललित कुमार मीणा,शिशराम दैया, कौशल्या कुमारी, रवि महर्षि, आनंद कालेर, कपील देव, मदन कंस्वा ने सहभागिता दी। कार्यक्रम का संचालन उप प्राचार्य अमर सिंह राठौड़ ने किया।

रतननगर की बेटी निकिता ने रचा इतिहास

चूरू (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान उच्च न्यायालय की ओर से शुक्रवार को घोषित राजस्थान न्यायिक सेवा (RJS) परीक्षा के परिणामों में चूरू जिले के रतननगर कस्बे की होनहार बेटी निकिता ने उल्लेखनीय सफलता अर्जित करते हुए प्रदेश में 27वीं रैंक प्राप्त की है। उनकी इस उपलब्धि से न केवल उनका परिवार, बल्कि पूरा रतननगर कस्बा और चूरू क्षेत्र गौरवान्वित हुआ है। विधि सत्संग संस्था के महेंद्र कुमार सैनी ने जानकारी देते हुए बताया कि निकिता ने यह सफलता चूरू अंचल में गुरुदेव महावीर सिंह यादव द्वारा स्थापित विधि सेवाओं की समृद्ध परंपरा को आगे बढ़ाते हुए हासिल की है। यह उपलब्धि क्षेत्र में न्यायिक सेवाओं के प्रति बढ़ते रुझान और सकारात्मक वातावरण का सशक्त प्रमाण है। निकिता के पिता दिलीप कुमार मीणा विद्यालय में व्याख्याता हैं, जबकि माता संतोष देवी गृहिणी हैं। पारिवारिक संस्कार, शिक्षा के प्रति समर्पण और निरंतर प्रोत्साहन ने निकिता के आत्मविश्वास को मजबूत किया। उन्होंने वर्ष 2024 से आरजेएस परीक्षा की सघन तैयारी प्रारंभ की थी और सीमित संसाधनों के बावजूद लक्ष्य के प्रति अडिग रहकर यह मुकाम हासिल किया। अपनी सफलता का श्रेय देते हुए निकिता ने अपने पिता, परिवारजनों, विधि सत्संग संस्था, आरजेएस चंद्रशेखर पारीक, विधि महाविद्यालय के प्राचार्य श्रवण सैनी एवं महेंद्र सैनी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि "कड़ी मेहनत, अनुशासन और परिवार, गुरुजनों व ईश्वर के आशीर्वाद से असंभव को भी संभव बनाया जा सकता है।"

अनिरुद्ध सिंह हाडा का 35वां जन्मोत्सव समारोह संपन्न हुआ

क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला गोपालपुरा ने जीता

-गरीब परिवारों को कंबल व आंगनबाडी बच्चों व स्कूल के विद्यार्थियों को गर्म स्वेटर वितरित किए

बारां (रॉयल पत्रिका)। अनिरूद्ध सिंह हाडा का 35वां जन्मोत्सव समारोह शुक्रवार को संपन्न हुआ। समारोह के अंतिम दिन क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला गोपालपुरा व माथना के बीच खेला गया, जिसमें गोपालपुरा की टीम 27 रनों से जीती। विजेता क्रिकेट टीम गोपालपुरा को 7100 रूपए व शील्ड, उपविजेता टीम माथनी को 5100 रूपए व शील्ड भेंट कर सम्मानित किया। अनिरूद्ध सिंह हाडा स्मृति संस्थान के अध्यक्ष अजीत सिंह माथनी ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि अनिल अग्रवाल संभागीय आयुक्त कोटा, बारां-अटरू विधायक राधेश्याम बैरवा ने अध्यक्षता की। विशिष्ट अतिथि के रूप में नंदलाल सुमन पूर्व जिला प्रमुख, राष्ट्रीय यादव महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश यादव, पूर्व जिला प्रमुख भरत मारन, भाजपा जिलाध्यक्ष नरेश सिकरवार, क्रय-विक्रय सहकारी समिति के चेयरमैन नरेंद्र नंदवाना आदि मौजूद रहे। संस्थान के प्रवक्ता कुशलपाल प्रजापति के अनुसार संस्थान की ओर से 35 गरीब परिवारों को कंबल, आंगनबाडी बच्चे व स्कूल के विद्यार्थियों को गर्म स्वेटर व प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। समारोह को संबोधित करते हुए संभागीय आयुक्त अग्रवाल ने कहा कि अजीत सिंह जी द्वारा हर साल अपने बच्चे अनिरूद्ध सिंह हाडा के जन्मदिन पर यह कार्यक्रम किया जाता है। यह समाजसेवा का संदेश ग्रामीण क्षेत्र को तो मिलेगा ही साथ ही छुपी हुई प्रतिभाओं को आगे आने का अवसर मिलता है। समारोह में उपखंड अधिकारी बारां, अटरू, भरत शर्मा, लोकेन्द्र सिंह सारथल सरपंच आदि लोग मौजूद रहे।

बारां स्थित इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के अध्ययन केंद्र में इंडक्शन प्रोग्राम का आयोजन

बारां (रॉयल पत्रिका) राजकीय महाविद्यालय, बारां में संचालित इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के अध्ययन केन्द्र द्वारा सत्र जुलाई-2025 में नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए इन्डक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में इग्नू क्षेत्रिय केन्द्र, जयपुर के सहायक क्षेत्रिय निदेशक डॉ. राममूर्ति मीणा ने मुख्य अतिथि के रूप में इग्नू पाठ्यक्रमों में नवप्रवेशित विद्यार्थियों को दूरस्थ शिक्षा का महत्व एंव फायदे बताते हुए मौके पर ही विद्यार्थियों की विभिन्न शंकाओं का समाधान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजकीय महाविद्यालय, बारां के कार्यवाहक प्राचार्य प्रो रामकेश मीना द्वारा की गई। उन्होनें अधिकाधिक संख्या में इग्नू पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने हेतु विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया। केन्द्र के सहायक कोऑर्डिनेटर प्रो. राजेन्द्र मीणा ने विद्यार्थियों के मूल्य संवर्धन व रोजगारोन्मुखी शिक्षा हेतु विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर, सर्टिफिकेट एवं डिप्लोमा कार्यक्रमों एवं आनलाईन फार्म भरने, असाइनमेंट जमा करवाने व परीक्षा संबंधित विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डालते हुये जानकारी साझा की। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा उत्साहपूर्वक भाग लिया गया। कार्यक्रम के अन्त में महाविद्यालय के सहायक आचार्य डॉ. शमशाद अली द्वारा विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य व शिक्षा को निरंतर जारी रखने हेतु आधिकारिक संख्या में इग्नू पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए प्रेरित करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉ. लीनता अरोड़ा, प्रो चंदनमल, प्रो सांवराराम, रवि मालव सहित बड़ी संख्या में विधार्थी उपस्थित रहे।

स्ट्रीट डॉग के हिंसक होते मामले को लेकर जिला कलेक्टर को दिया ज्ञापन

कोटा (रॉयल पत्रिका)। कोटा शहर के स्ट्रीट डॉग जो हिंसक होकर आम जनता पर जानलेवा हमला कर रहे हैं उनके मामले को लेकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन के माध्यम से अवगत करवाया। ज्ञापन के माध्यम से बताया कि स्ट्रीट डॉग, सड़कों पर उत्पाती निराश्रित जानवरों से कोटा की आम जनता की ज़िंदगियाँ खतरे में है, कई लोगों की मौत हो गई है, हिंसक कुत्तों का बच्चों, आम लोगों के हमले से कई लोगों की स्थिति गम्भीर है, केटल ट्रेस पास एक्ट, पुलिस अधिनियम, नगर पालिका क़ानून अन्य विधिक प्रावधान के तहत इस तरह की घटनाओं से आम जनता को सुरक्षित रखना प्रशासन की ज़िम्मेदारी है, राजस्थान सरकार, खुद आप ज़िला कलेक्टर ने पूर्व में जारी सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट के आदेश के तहत आवश्यक दिशा निर्देश भी जारी किए हैं, लेकिन नगर पालिका क़ानून ओर अन्य विधि व्यवस्था के तहत कोई कार्यवाही निगम कर्मियों द्वारा नहीं की जा रही है, स्थिति यह है के विज्ञाननगर, नयापुरा, स्टेशन, तलवंडी, किशोरपुरा, दादाबाड़ी, कंसुआ, डी सी एम, खेरली फाटक, वक़्फ़ नगर, महावीर नगर, जवाहर नगर, गुमानपुरा, छावनी, कोटड़ी, घण्टाघर, रामपुरा, लाडपुरा सहित सभी क्षेत्रों में स्ट्रीट डॉग्स आवारा श्वानों का आतंक है, जो हिंसक हमलावर है, स्कूटर, मोटर साइकिल सवारों पर झपटते है, उन्हें गिराकर घायल कर देते हैं, हाल ही में नरेंद्र भाटिया घायल हुए है जो की भारत विकास हॉस्पिटल मे भर्ती है ऐसी सैकड़ों घटनाओं के बाद निगम कोटा प्रशासन कोई कार्यवाही नहीं कर

चूरू विधायक हरलाल सहारण ने बाल विवाह मुक्त भारत अभियान जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर विधायक हरलाल सहारण ने शुक्रवार को पुराने कलक्ट्रेट परिसर से भारत सरकार के निर्देशानुसार आयोजित किए जा रहे 100 दिवसीय बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर विधायक सहारण ने कहा कि हम सभी बाल विवाह जैसी कुरीतियों के उन्मूलन का संकल्प लें और संकल्पित प्रयासों से सशक्त, सुशिक्षित व स्वस्थ समाज का निर्माण करें। देश की भावी पीढ़ी को सुदृढ़ भविष्य देना हम सब की जिम्मेदारी है। हम भावी पीढ़ी को शिक्षा से जोड़ें और उन्हें बौद्धिक व सामाजिक विकास के भरपूर अवसर दें। इसी के साथ बाल विवाह जैसी कुप्रथाओं का विरोध करें तथा समाज में पर्याप्त जागरूकता लाएं।इस दौरान सीईओ श्वेता कोचर, बसंत शर्मा, चंपालाल गेदर, विजय आचार्य, ओम सारस्वत, नरेन्द्र काछवाल, भास्कर शर्मा, महिला अधिकारिता उपनिदेशक राजेंद्र सिंह, आईसीडीएस डीडी डॉ नरेंद्र शेखावत, बाल संरक्षण सहायक निदेशक सत्येंद्र पाल वीर, सीपीओ भागचंद खारिया, अभिषेक चोटिया, सुरेश सारस्वत, श्रीराम पीपलवा, अख्तर खान, रजत, सुपरवाइजर कृष्णा, पूजा, कीर्ति राठौड़, सुमन, ज्ञानप्रकाश गोदारा, श्रीराम, अनिल सिहाग, भूपेन्द्र सहित अन्य मौजूद रहे।

उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक ने अपने समृद्ध ग्राहकों के लिए की आइवरी की पेशकश

जबलपुर/इंदौर। उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक ने नया बैंकिंग प्रोग्राम- आइवरी लॉन्च किया है, जो भारत के समृद्ध वर्ग के लिए तैयार किया गया है। यह आइवरी प्रोग्राम विशिष्ट रूरतें पूरी करने वाली सेवाओं को जीवनशैली की सुविधाओं के साथ जोड़ता है, जिससे बेहतर हस्तांतरण क्षमता, वैश्विक पहुँच और मुख्य बैंकिंग हस्तांतरण और सेवाओं पर शुल्क रहित बैंकिंग सेवा की सुविधा मिलती है।बड़े पैमाने पर किए गए उपभोक्ता शोध के आधार पर तैयार, आइवरी उन ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करता है, जो ऐसे वित्तीय समाधान चाहते हैं, जो उनकी जीवनशैली की आकांक्षाओं के अनुरूप हों। यह पेशकश डिजिटल बैंकिंग को बारीकी से तैयार अनुभवों के साथ जोड़ती है, जिसमें मनोरंजन और खाने-पीने (डाइनिंग) के लाभ शामिल हैं। आइवरी सदस्यता (मेंबरशिप), क्लब मैरियट के ज़रिए विभिन्न किस्म की आतिथ्य सेवाएँ पेश करती है, जो एशिया-प्रशांत क्षेत्र में 350 से ज्यादा प्रमुख मैरियट होटल में खाने-पीने और ठहरने के फायदों तक विशेष पहुँच प्रदान करती है। इस मेंबरशिप में एयरपोर्ट लाउंज की पहुँच, वैश्विक स्तर पर स्वीकार्यता और अधिक हस्तांतरण सीमा (ट्रांज़ैक्शन लिमिट) वाला प्रीमियम मेटल डेबिट कार्ड शामिल है। ग्राहकों को सालाना ओटीटी सब्सक्रिप्शन, तिमाही बुकमायशो वाउचर और पात्र हस्तांतरण (मलिफाइड ट्रांज़ैक्शन) पर अतिरिक्त रिवॉर्ड पॉइंट्स भी मिलते हैं, जिनका उपयोग जीवन शैली और रिटेल से जुड़े प्रमुख ब्रांड की चीज़ों की खरीदारी के लिए किया जा सकता है।

एआई+ ने फ्लैगशिप सेगमेंट में नोवाफ्लिप के साथ की एंट्री – नई सीरीज़ का पहला लॉन्च

भोपाल। एआई+ स्मार्टफोन ने आज प्रीमियम फ्लिप स्मार्टफोन सेगमेंट में नोवाफ्लिप के साथ अपनी नई पेशकश की घोषणा की, जिसकी कीमत ?40,000 से कम रखी जाएगी। यह कदम कंपनी के उस विज़न के अनुरूप लिया है जिसके तहत उन्नत और उच्च-गुणवत्ता वाली तकनीक को अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाना का उनका लक्ष्य है। 2026 में लॉन्च होने वाला नोवाफ्लिप, एआई+ स्मार्टफोन की फ्लैगशिप नोवा सीरीज़ की शुरुआत करेगा, जो इनोवेशन और किफ़ायत का बेहतरीन संगम होगा। जुलाई 2025 में नोवा 5प्रतिशत की सफल लॉन्चिंग के बाद, एआई+ स्मार्टफोन अब नोवा सीरीज़ के ज़रिए अपने फ्लैगशिप पोर्टफोलियो का विस्तार कर रहा है। इस सीरीज़ में नोवाप्रो, नोवाअल्ट्रा, नोवाफ्लिप और भविष्य में फोल्ड वेरिएंट जैसे मॉडल भी शामिल होंगे। प्रत्येक डिवाइस को शानदार परफॉर्मेंस, विशिष्ट फीचर्स और ऐसा यूज़र एक्सपीरियंस देने के उद्देश्य से डिज़ाइन किया गया है, जो स्मार्टफोन इंडस्ट्री में नया स्टैण्डर्ड स्थापित कर सके।

ओला के मालिक ने बेचे 2.6 करोड़ से ज्यादा शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के शेयर में मंगलवार को बड़ी गिरावट आई। ट्रेडिंग के दौरान शेयर करीब 8 पर्सेंट टूटकर 34.20 रुपये पर आ गया। ट्रेडिंग के अंत में शेयर 7.73 प्रतिशत गिरकर 34.50 रुपये पर आ गया। यह गिरावट ऐसे समय में आई जब कंपनी के प्रमोटर भाविश अग्रवाल ने कंपनी के 2.6 करोड़ से ज्यादा शेयर बल्क डील के जरिए बेचे। सूत्रों ने बताया कि चूंकि यह ट्रांजैक्शन प्रमोटर लेवल पर किया गया था इसलिए इसमें ओला इलेक्ट्रिक कंपनी के तौर पर शामिल नहीं है और कंपनी के इलेक्ट्रिक मोबिलिटी बिजनेस, ऑपरेशंस, मैनेजमेंट और फाइनेंशियल स्थिति या लॉन्ग-टर्म प्लान पर कोई असर होने की संभावना नहीं है। इससे पहले 9 दिसंबर को यह शेयर अपने 52 हफ्ते के निचले स्तर 33.20 रुपये तक फिसल गया था। मौजूदा गिरावट के बाद कंपनी के शेयर और इसके आईपीओ इश्यू प्राइस 76 रुपये के बीच का अंतर बढ़कर करीब 55 प्रतिशत तक पहुंच गया है। आपको बता दें कि ओला इलेक्ट्रिक के शेयर दिसंबर पिछले साल 102.50 रुपये के उच्च स्तर पर पहुंचे थे।

डील पक्की: टीसीएस ने यूके की कंपनी से जीता 1 अरब डॉलर का ऑर्डर

इस सौदे के साथ, कंपनी को लगभग दो साल बाद इतने बड़े कांट्रैक्ट की प्राप्ति हुई है

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर सेवा कंपनी, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने स्पेनिश दूरसंचार दिग्गज टेलीफोनिका की ब्रिटिश शाखा, टेलीफोनिका यूके से 10 साल में 1 अरब डॉलर से अधिक मूल्य का एक बड़ा ऑर्डर हासिल किया है। इस सौदे के साथ, कंपनी को लगभग दो साल बाद इतने बड़े कांट्रैक्ट की प्राप्ति हुई है। टेलीफोनिका यूके ब्रिटेन में ओ2 मोबाइल सेवा ब्रांड चलाती है।

मुंबई स्थित टीसीएस इस कान्ट्रैक्ट के तहत एप्लिकेशन और इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़ा कार्य करेगी। इस सौदे का अधिकतर हिस्सा कंपनी के लिए नया काम है। दो अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी, जिन्होंने नाम न छापने की शर्त रखी। आने वाले हफ्तों में इसकी आधिकारिक घोषणा होने की उम्मीद है।

यह टीसीएस के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी के. कृतिवासन के कार्यकाल में यूनाइटेड किंगडम से मिला चौथा 1 अरब डॉलर का अनुबंध है। कृतिवासन ने जून 2023 में पदभार संभाला था। उसी महीने, कंपनी ने यूके की सबसे बड़ी वर्कप्लेस पेंशन योजना, यूके नेशनल एम्प्लॉयमेंट सेविंग्स ट्रस्ट के साथ 1.1 अरब डॉलर का अनुबंध किया था। तीन महीने बाद, उसे जगुआर लैंड रोवर के साथ 1 अरब डॉलर का डिजिटल परिवर्तन अनुबंध मिला। पिछले साल जनवरी में, कंपनी को ब्रिटिश बीमा कंपनी एविवा के साथ 2.5 अरब डॉलर का, 15 साल का प्रशासनिक अनुबंध मिला था, जो अब तक का सबसे बड़ा सौदा है। उस सौदे के तहत टीसीएस ने बीएसएनएल के लिए 4जी नेटवर्क तैनात किया था। हालांकि, एक अधिकारी के अनुसार, टेलीफोनिका यूके सौदे का परिचालन मार्जिन बीएसएनएल के साथ किए गए सौदे से अधिक होने की उम्मीद है। फिलहाल, 10 साल में 1 अरब डॉलर के अनुबंध का मतलब है।

यूके है अहम बाजार

टीसीएस के लिए अमेरिका के बाद यूनाइटेड किंगडम दूसरा सबसे बड़ा बाज़ार है, जो उसके 30.18 अरब डॉलर के वार्षिक राजस्व में लगभग 17 प्रतिशत का योगदान करता है। इस खबर के प्रकाशन के समय तक, टीसीएस और टेलीफोनिका की ओर से भेजे गए सवालों का जवाब नहीं मिला था। पहले जिक्र किए गए दोनों अधिकारियों ने टेलीफोनिका यूके सौदे में मुनाफे की दर कम होने की ओर इशारा किया है। उन्होंने दावा किया कि यह दर टीसीएस के 24.2 प्रतिशत के परिचालन मार्जिन से कम है, हालांकि उन्होंने अधिक विवरण नहीं दिए। यह रणनीति में बदलाव का संकेत है, क्योंकि आईटी आउटसोर्सिंग कंपनी पारंपरिक रूप से कंपनी के समग्र मुनाफे से कम दर वाले अनुबंध करने से बचती रही है। यह दूसरा ऐसा सौदा है जो एक दूरसंचार कंपनी के साथ है और कंपनी के समग्र मार्जिन को नुकसान पहुंचा रहा है। सार्वजनिक दूरसंचार ऑपरेटर भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के साथ कंपनी का 1.83 अरब डॉलर का अनुबंध भी एक ऐसा ही सौदा था जिसने कंपनी की लाभप्रदता को नुकसान पहुंचाया।

हलवासिया ने कर्नाटक बैंक में 45 लाख और शेयर जोड़े

मुंबई। हाल ही में कर्नाटक बैंक में लगभग 71 करोड़ के 38 लाख शेयर खरीदने के बाद, प्रसिद्ध निवेशक और उद्यमी आदित्य कुमार हलवासिया ने 24 नवंबर को अतिरिक्त 45 लाख शेयर करीब 90 करोड़ में खरीदे हैं। इससे यह धारणा और मजबूत होती है कि यह निजी क्षेत्र के इस बैंक में उनकी एक गंभीर और रणनीतिक एंट्री है।बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि हलवासिया का इतिहास उन कंपनियों में उल्लेखनीय मूल्य सृजन का रहा है, जिनमें वह महत्वपूर्ण हिस्सेदारी लेते हैं और सक्रिय रूप से बोर्ड में शामिल होते हैं। उनकी पिछली निवेशित कंपनियों में उनकी भागीदारी के दौरान केंद्रित निष्पादन, बेहतर पूंजी आवंटन और निरंतर धन-सृजन देखा गया है। ताज़ा खरीदारी को कर्नाटक बैंक की चल रही पुनरुद्धार और विकास योजना—जिसमें बैलेंस शीट को मजबूत करना, तकनीकी उन्नयन और लाभप्रदता व सुशासन पर बढ़ता ध्यान शामिल है—पर एक मजबूत भरोसे के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। यह फॉलो-अप खरीद बैंक की मध्यम से दीर्घकालिक दिशा के साथ एक महत्वपूर्ण प्रतिबद्धता और तालमेल को दर्शाती है। इस स्वामित्व में बढ़ोतरी के साथ, निवेशकों का ध्यान अब कर्नाटक बैंक में मौजूद गहरी वैल्यू-अनलॉकिंग संभावनाओं की ओर जाने की संभावना है, जो अभी भी अपनी बुक वैल्यू के केवल 0.63 गुना पर ट्रेड हो रहा है।

अमेरिका में बेरोजगारी बढ़ी तो सोना-चांदी चढ़ी, सिल्वर 2.05 लाख के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर बुधवार, 17 दिसंबर को सुबह के कारोबार में सोने के दाम में आधे प्रतिशत से अधिक और चांदी के दाम में 4 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। यह उछाल अमेरिका में नवंबर में बेरोजगारी दर बढ़ने के आंकड़ों के बाद अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा और ब्याज दरें कम किए जाने की उम्मीदों से प्रेरित था। एक्सपर्ट्स के मुताबिक चांदी 100 डॉलर प्रति औंस लगभग 3 लाख रुपये प्रति किलोग्राम तक बढ़ सकती है। बाद में मुनाफा वसूली का दबाव डॉलर के मजबूत होने से कीमती धातुओं में निवेशकों ने मुनाफा वसूलना शुरू कर दिया। डॉलर इंडेक्स में 0.20 प्रतिशत की बढ़त ने सोने पर दबाव डाला। सुबह 9:20 बजे

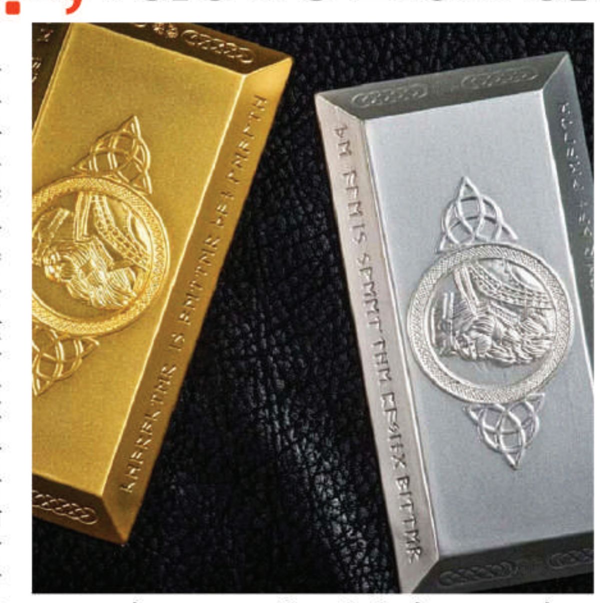

तक, सोना (फरवरी कॉन्ट्रैक्ट) 0.21 प्रतिशत गिरकर 1,34,129 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया, जबकि चांदी 3.38 प्रतिशत चढ़कर 2,04,445 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही थी। चांदी की तेज उछाल ने निवेशकों के मन में सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या अब बाजार में प्रवेश करने का सही मौका है।

सकारात्मक दृष्टिकोण

पीएल वेल्थ के हेड प्रोडक्ट एंड फैमिली ऑफिस, राजकुमार सुब्रमण्यन ने पोर्टफोलियो में चांदी की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, चांदी भारतीय निवेशकों के लिए एक रणनीतिक विविधीकरण का साधन बन रही है, जो सोने की तुलना में अधिक उतार-चढ़ाव देती है, लेकिन औद्योगिक मांग और बढ़ती खुदरा भागीदारी के कारण कच्चे माल के तेजी के दौर में कहीं अधिक बढ़त भी प्रदान करती है। सुब्रमण्यन ने बताया कि भारत में चांदी की मांग अब सौर ऊर्जा उत्पादन, इलेक्ट्रिक वाहनों, इलेक्ट्रॉनिक्स और डिजिटल बुनियादी ढांचे की वृद्धि से जुड़ती जा रही है। सैम्कोसिक्योरिटीज के हेड ऑफ मार्केट पर्सपेक्टिव्स एंड रिसर्च, अपूर्व सेठ ने अधिक सतर्क नजरिया पेश करते हुए कहा कि चांदी की शानदार दौड़ थम सकती है। चांदी ने पहले ही मजबूत प्रदर्शन किया है।

सुप्रीम फ़ैसिलिटी का एच1एफवाय26 में शुद्ध लाभ 41 प्रतिशत उछला

पुणे, एजेंसी। सुप्रीम फ़ैसिलिटी मैनेजमेंट लिमिटेड (एनएसई-एसएफएमएल), फ़ैसिलिटी मैनेजमेंट क्षेत्र की अग्रणी कंपनियों में से एक, ने एच1 एफवाय26 के अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणाम जारी किए हैं। सुप्रीम फ़ैसिलिटी मैनेजमेंट लिमिटेड के सीईओ अमोल शिंगाटे ने कहा, एच1 एफवाय26 हमारे लिए बेहद उत्साहजनक रहा है। मज़बूत क्लाइंट भरोसे और विभिन्न उद्योगों में इंटीग्रेटेड आउटसोर्सिंग की बढ़ती मांग ने हमारे प्रदर्शन को गति दी। ऑटोमोबाइल, इंजीनियरिंग, आईटी/आईटीईएस, एफएमसीजी और लॉजिस्टिक्स जैसे विविध क्षेत्रों में हमारी मौजूदगी, तथा एक ही प्लेटफ़ॉर्म पर आईएफएम, ट्रांसपोर्टेशन, सप्लाई चेन, प्रोडक्शन सपोर्ट और फ़ूड सर्विसेज उपलब्ध कराने की क्षमता ने पहली छमाही में हमारी पकड़ और मजबूत की है।

सिप्ला ने मोटापे, टाइप 2 डायबिटीज़ के उपचार के लिए युरपीक (टिरज़ेपाटाइड) को लॉन्च किया

मुंबई, एजेंसी। सिप्ला लिमिटेड ने आज युरपीक0 (टिरज़ेपाटाइड) के लॉन्च की घोषणा की। यह एक सप्ताह में एक बार दिया जाने वाला इंजेक्टेबल उपचार है, जिसे मोटापे और टाइप 2 डायबिटीज़ मेलिटस – देश की दो सबसे गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों – के प्रबंधन के लिए बनाया गया है। लिली को 'भारत के औषधि नियंत्रक महानियंत्रक' की मंजूरी मिलने के बाद, सिप्ला को भारत में युरपीक0, यानी 'लिली के टिरज़ेपाटाइड' के दूसरे ब्रांड, को वितरित और प्रमोट करने के अधिकार प्राप्त हैं।

इस लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, अचिन गुप्ता, ग्लोबल चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर, सिप्ला लिमिटेड, ने कहा- ÷युरपीक0 का लॉन्च मोटापे और टाइप 2 डायबिटीज़ मेलिटस – भारत की दो दीर्घकालिक और गंभीर बीमारियों – के खिलाफ लड़ाई में परिवर्तनकारी क्षण का प्रतीक है। सिप्ला इस क्षेत्र में उसी स्तर की विशेषज्ञता और वैज्ञानिक प्रतिबद्धता के साथ प्रवेश कर रहा है, जिसने क्रोनिक बीमारियों और श्वसन देखभाल में हमारी नेतृत्वकारी स्थिति को परिभाषित किया है। हमारा ध्यान वैश्विक मानकों पर आधारित और भविष्य-उन्मुख उपचारों को तेज़ी से उपलब्ध कराने पर है। लिली जैसी कंपनियों के साथ हमारे सहयोग नवाचार, उत्कृष्ट उपचार-उद्देश्य और व्यापक पहुंच को एक साथ लाकर यह सुनिश्चित करते हैं कि उन्नत चिकित्सा-सेवा हर मरीज तक पहुँचे – चाहे वे कहीं भी हों।

भारत में युरपीक0 का लॉन्च टिरज़ेपाटाइड तक पहुंच को व्यापक बनाएगा, जिससे अधिक मरीज इस नवोन्मेषी थेरेपी का लाभ उठा सकेंगे। सिप्ला की रणनीतिक प्राथमिकता इसे पूरे देश में उपलब्ध कराना है – मेट्रो शहरों के साथ-साथ उनसे परे के क्षेत्रों में भी। कंपनी अपने मजबूत वितरण नेटवर्क और गहन बाज़ार अंतर्दृष्टि का उपयोग करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक पहुंच और बेहतर उपलब्धता सुनिश्चित करेगी।

सिप्ला, युरपीक0 के लॉन्च को व्यापक मरीज-शिक्षा और समर्थन कार्यक्रमों के साथ सुदृढ़ करेगा, जिनमें डोज़िंग, दवा को सुरक्षित रूप से स्वयं लेने की प्रक्रिया, और दवा के सही उपयोग से जुड़ी आवश्यक जानकारी शामिल है। इन पहलों का उद्देश्य मरीजों को अपने उपचार को आत्मविश्वास और ज़िम्मेदारी के साथ – और अपने स्वास्थ्य-विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में – प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में सक्षम बनाना है। यह दृष्टिकोण साक्ष्य-आधारित संचार और ज़िम्मेदार देखभाल के प्रति सिप्ला की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता से प्रेरित है, जो व्यक्तियों को समय पर स्वास्थ्य निर्णय लेने और टिकाऊ वेलनेस प्रथाओं को अपनाने के लिए सशक्त बनाती है।

एचडीएफसी बैंक ने देश भर में 4000 से ज़्यादा साइबर फ्रॉड जागरूकता वर्कशॉप आयोजित कीं

बैंक ने 27,000 से ज़्यादा नागरिकों को सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग तरीकों के बारे में किया शिक्षित

भोपाल। भारत के प्रमुख प्राइवेट सेक्टर के बैंक, एचडीएफसी बैंक ने डिजिटल बैंकिंग जागरूकता अभियान के तहत पूरे भारत में साइबर फ्रॉड जागरूकता वर्कशॉप की एक श्रृंखला आयोजित की। बैंक ने अप्रैल 2025 से इस श्रृंखला के तहत 4,000 से ज़्यादा वर्कशॉप आयोजित कीं, जिनमें 27,000 से ज़्यादा नागरिकों को सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग तरीकों के बारे में जागरूक किया गया। इन वर्कशॉप का मकसद स्कूल और कॉलेज के छात्रों, वरिष्ठ नागरिकों, सेल्फ-हेल्प ग्रुप, ग्राहकों और कर्मचारियों को शिक्षित करना था। इन इंटरैक्टिव सेशन के ज़रिए, प्रतिभागियों को सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग तरीकों के बारे में ज़रूरी जानकारी मिली ताकि वे साइबर फ्रॉड का शिकार न हों। वर्कशॉप में असल ज़िंदगी के उदाहरण, कहानियाँ और वीडियो शामिल थे, जिनसे प्रतिभागियों को धोखेबाजों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले अलग-अलग तरीकों और ऐसे फ्रॉड से सुरक्षित रहने के टिप्स समझने में मदद मिली। इनमें से कई सेशन लॉ एनफोर्समेंट एजेंसियों (एलईएज) के सहयोग से आयोजित किए गए थे। वर्कशॉप में कई ज़रूरी विषयों को शामिल किया गया - 1.धोखेबाजों की चालों को समझना - सेशन में बताया गया कि धोखेबाज डर, जल्दबाजी, लालच या मदद के अनुरोध का इस्तेमाल करके पीड़ितों को कैसे फंसाते हैं। डिजिटल अरेस्ट, इन्वेस्टमेंट स्कैम, एपीके फ्रॉड, फ़िशिंग, स्मिशिंग, विशिंग, सिम स्वैप, रिमोट एक्सेस स्कैम, यूपीआई फ्रॉड आदि जैसे आम साइबर खतरों को उजागर करने के लिए असल ज़िंदगी के उदाहरण शेयर किए गए।2. सुरक्षित बैंकिंग के व्यावहारिक टिप्स - वर्कशॉप में सुरक्षित बैंकिंग तरीकों को अपनाने के महत्व पर ज़ोर दिया गया, जिसमें विजिल आंटी को एक भरोसेमंद जागरूकता एंबेसडर के तौर पर दिखाया गया और ग्राहकों को खुद को बचाने में मदद करने के लिए आसान लेकिन असरदार टिप्स बताए गए। 3.धोखाधड़ी का शिकार होने से बचने के लिए गाइडलाइंस - भागीदारों को सलाह दी गई कि वे कभी भी संवेदनशील पर्सनल जानकारी शेयर न करें, कभी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें, और ईमेल, एसएमएस या व्हाट्सएप के ज़रिए मिली एपीके फ़ाइलें या अटैचमेंट डाउनलोड करने से बचें–खासकर वे जो सरकारी अधिकारियों, बैंकों या दूसरे संस्थानों का रूप धारण करके भेजे गए हों। इस पर कमेंट करते हुए श्री मनीष अग्रवाल, सीनियर एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट (क्रेडिट इंटेलिजेंस एंड कंट्रोल) एचडीएफसी बैंक ने कहा, ÷धोखाधड़ी करने वाले ग्राहकों को गुमराह करने और उनका फ़ायदा उठाने के लिए टेक्नोलॉजी के साथ सोशल इंजीनियरिंग के तरीकों का ज़्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं। इसलिए, नागरिकों के बीच उनके द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले अलग-अलग तरीकों के बारे में जागरूकता पैदा करना ज़रूरी है ताकि वे गोपनीय बैंकिंग डेटा शेयर न करें या बिना वेरिफ़ाई किए लिंक पर क्लिक न करें।

अडानी ग्रुप पर एक और विवाद, सेबी का नया नोटिस, एनडीटीवी से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड ने आरोप लगाया है कि अडानी ग्रुप के निदेशक प्रणव अडानी ने एनडीटीवी (न्यू दिल्ली टेलीविजन) के शेयरों के अधिग्रहण के ओपन ऑफर से जुड़ी गुप्त और प्राइस सेंसिसिटव इंफार्मेशन अपने साले कुणाल व नृपल शाह और ससुर धनपाल शाह के साथ साझा की, जो अंदरूनी सूचना के दुरुपयोग के मानदंडों का उल्लंघन है। यह जानकारी ईटी द्वारा देखे गए एक दस्तावेज में सामने आई है। यह आरोप अगस्त 2022 का है, जब अडानी ग्रुप ने इस ब्राडकॉस्ट कंपनी का अधिग्रहण किया था।

दस्तावेज के अनुसार, सेबी ने प्रणव अडानी, उनके साले कुणाल व नृपल शाह और ससुर धनपाल शाह को कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं। 15 अक्टूबर, 2025 को जारी इस नोटिस में सेबी ने आरोप लगाया है

कि अप्रकाशित मूल्य संवेदी सूचना की अवधि के दौरान कुणाल, नृपल और धनपाल शाह व प्रणव अडानी के बीच कई टेलीफोनिक वार्तालाप हुए, जो इन व्यक्तियों के बीच लगातार संपर्क को दर्शाता है। इस रिपोर्ट के प्रकाशन तक, सेबी, अडानी ग्रुप, कुणाल, नृपल और धनपाल शाह को भेजे गए ईटी के ईमेल सवालों का कोई जवाब नहीं मिला। गौरतलब है कि पिछले हफ्ते ही सेबी ने अडानी ग्रीन एनर्जी द्वारा सॉफ्टबैंक समर्थित एसबी एनर्जी होल्डिंग्स के अधिग्रहण की जानकारी साझा करने के एक अन्य मामले में, सबूतों के अभाव का हवाला देते हुए प्रणव अडानी और उनके सालों नृपल व कुणाल शाह के खिलाफ चल रहा अंदरूनी सूचना के दुरुपयोग का मामला खारिज कर दिया था। 23 अगस्त, 2022 को, ओपन ऑफर के प्रबंधक जेएम फाइनेंसियल ने बाजार बंद होने के बाद स्टॉक एक्सचेंजों को एनडीटीवी के लिए ओपन ऑफर से जुड़ी सार्वजनिक घोषणा की सूचना दी। घोषणा में कहा गया था कि विश्वप्रधान कमर्शियल, एएमजी मीडिया नेटवर्क्स और अडानी एंटरप्राइजेज मिलकर सार्वजनिक शेयरधारकों से एनडीटीवी की शेयर कैपिटल का 26 प्रतिशत तक अधिग्रहण करेंगे। इस ओपन ऑफर में 16.76 मिलियन शेयर 294 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से खरीदे जाने थे,

लैंक्सेस: चुनौतीपूर्ण बाजार स्थिति ने 2025 की तीसरी तिमाही के परिणामों को प्रभावित किया

मुंबई, एजेंसी। विशेष रसायन कंपनी लैंक्सेस को 2025 की तीसरी तिमाही में कमजोर वैश्विक आर्थिक माहौल और बढ़ती भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के कारण अपने प्रदर्शन पर दबाव का सामना करना पड़ा। कंपनी की बिक्री घटकर 1.598 अरब यूरो से 1.338 अरब यूरो हो गई, जो वर्ष-दर-वर्ष 16.3 प्रतिशत की कमी दर्शाती है। ईबीआईटीडीए प्री-एक्सेप्शनल्स 173 मिलियन यूरो से घटकर 125 मिलियन यूरो रहा, यानी लगभग 27.7 प्रतिशत की गिरावट। यह कमी मुख्य रूप से बाजार में मांग घटने और बिक्री मात्रा में कमी के कारण दर्ज की गई।

इसके अलावा, 1 अप्रैल 2025 को कंपनी द्वारा अपने यूरीथेन सिस्टम्स व्यवसाय प्रभाग की बिक्री के बाद उसके परिणाम अब तिमाही आंकड़ों में शामिल नहीं हैं। साथ ही, प्रतिकूल मुद्रा विनिमय प्रभावों ने भी कंपनी की आय पर असर डाला। तीसरी तिमाही के लिए ईबीआईटीडीए मार्जिन प्री-एक्सेप्शनल्स 10.8 प्रतिशत से घटकर 9.3 प्रतिशत रहा।

लैंक्सेस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मथायस ज़ाखर्ट ने कहा, वैश्विक मांग में लगातार कमजोरी पूरी रसायन उद्योग को प्रभावित कर रही है, और इसका असर हम पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। निर्माण, ऑटोमोबाइल और कृषि-रसायन जैसे हमारे प्रमुख उद्योग क्षेत्रों में स्थिति विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। फिलहाल इसका कोई त्वरित समाधान दिखाई नहीं दे रहा है और यह स्थिति अगले वर्ष तक जारी रह सकती है।

उन्होंने आगे कहा, ऐसे समय में हमारा पूरा ध्यान उन क्षेत्रों पर है, जहाँ हम स्वयं प्रभाव डाल सकते हैं – लागत में कमी, प्रक्रियाओं और संगठनात्मक ढांचे को सरल बनाना, और बाज़ार में अपनी स्थिति को और सुदृढ़ करना। हालांकि, रसायन उद्योग को प्रतिस्पर्धात्मक बनाए रखने के लिए नीति-निर्माताओं का समर्थन भी अत्यंत आवश्यक है।

जहां आम लोग नहीं पहुंच पाते, वहां हमने की शूटिंग : अमृता

भारतीय ओटीटी इंडस्ट्री लगातार नए और दमदार कंटेंट के साथ दर्शकों को आकर्षित कर रही है। बड़े फिल्ममेकर्स अब वेब सीरीज के जरिए ऐसी कहानियां लेकर आ रहे हैं, जो पहले कभी पर्दे पर देखने को नहीं मिलीं। इसी कड़ी में मशहूर निर्देशक और निर्माता नीरज पांडे 'तस्करी' नामक नई वेब सीरीज लेकर आ रहे हैं। इस सीरीज में बॉलीवुड अभिनेता इमरान हाशमी और लोकप्रिय अभिनेत्री अमृता खानविलकर अहम भूमिकाओं में हैं। यह वेब सीरीज नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। अमृता खानविलकर ने इस वेब सीरीज को लेकर अपनी खुशी और अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा, 'नीरज पांडे जैसे निर्देशक के साथ काम करना हमेशा खास होता है, क्योंकि उनकी कहानियां वास्तविक और जमीन से जुड़ी होती हैं। 'तस्करी' की शूटिंग का अनुभव बेहद रोमांचक रहा, और इस सीरीज पर काम करते हुए मैंने हर पल कुछ नया सीखा। यह मेरे लिए एक यादगार अनुभव बन गया। अमृता ने कहा, ''सीरीज में किसी भी तरह के बनावटी सेट का इस्तेमाल नहीं किया गया, बल्कि वास्तविक जगहों पर शूटिंग हुई है ताकि कहानी ज्यादा सच्ची और प्रभावशाली लगे। शूटिंग के दौरान हमें ऐसी जगहों पर जाने का मौका मिला, जो आम लोगों के लिए पूरी तरह प्रतिबंधित हैं। अभिनेत्री ने कहा, ''एयरपोर्ट के भीतर के ऐसे हिस्सों में शूटिंग की गई, जहां आम यात्रियों की पहुंच नहीं होती। इसमें एयरपोर्ट के एयरपैड्स और अन्य प्रतिबंधित जोन शामिल थे। इन जगहों पर शूट करना आसान नहीं था। लेकिन, इससे सीरीज की प्रामाणिकता और भी बढ़ गई है। यह अनुभव मेरे करियर के सबसे यादगार पलों में से एक बन गया। इमरान हाशमी के साथ काम करने के अनुभव को लेकर भी अमृता ने खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ''इमरान हाशमी एक बेहद सरल और विनम्र इंसान हैं। उनके साथ काम करना पेशेवर रूप से अच्छा तो था ही, व्यक्तिगत तौर पर भी काफी सहज और आनंददायक अनुभव रहा।' अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अमृता ने बताया कि 'तस्करी' में उनका रोल एक एनर्जेटिक और थोड़ी गुस्सैल लड़की का है। यह किरदार भावनाओं और जोश से भरा हुआ है, जिसे पर्दे पर निभाना उनके लिए काफी मजेदार रहा। उन्होंने कहा, ''इस किरदार की पूरी यात्रा को जीना मेरे लिए एक चुनौती भी थी और एक सुखद अनुभव भी। मैं इस बात को लेकर बेहद खुश हूं कि यह सीरीज जल्द ही नेटफ्लिक्स पर दर्शकों के सामने आएगी।

अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे और अक्षय खन्ना की रोमांटिक थ्रिलर फिल्म 'दहेक' को रिलीज हुए 26 साल पूरे हो गए हैं।

सोनाली बेंद्रे को याद आए दहेक के दिन

अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे ने सोशल मीडिया पर फिल्म की यादों को शेयर किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का मशहूर गाना 'सावन बरसे तरसे दिल' का छोटा-सा क्लिप शेयर किया। अभिनेत्री ने फिल्म की यादों को ताजा करते हुए लिखा, '26 साल बाद भी भावनाएं आज भी बिल्कुल वैसी ही हैं। फिल्म 'दहेक' का सदाबहार गीत 'सावन बरसे तरसे दिल', जिसे बहुत ही खूबसूरती से हरिहरन और साधना सरगम ने गाया है।' पोस्ट शेयर करने के बाद अभिनेत्री के दोस्त और साथी कलाकारों ने कमेंट सेक्शन पर तुरंत प्रतिक्रिया दी। आयुष्मान खुराना की पत्नी ताहिरा कश्यप और दिया मिर्जा ने हार्ट इमोजी के साथ कमेंट सेक्शन पर प्रतिक्रिया दी। बता दें कि लतीफ बिन्नी द्वारा निर्देशित फिल्म साल 1999 में रिलीज हुई थी। फिल्म में अक्षय खन्ना और सोनाली बेंद्रे मुख्य भूमिका में थे।

जेनेलिया ने पति

रितेश के जन्मदिन पर खोला सबसे बड़ा सीक्रेट

बॉलीवुड के पावर कपल जेनेलिया देशमुख और रितेश देशमुख को फैंस काफी पसंद करते हैं। दोनों अक्सर सोशल मीडिया पर मजेदार वीडियो शेयर करते रहते हैं। बुधवार को अभिनेता रितेश देशमुख अपना जन्मदिन मना रहे हैं। इस अवसर पर अभिनेत्री ने खास अंदाज में जन्मदिन की बधाई दी।

जेनेलिया ने इंस्टाग्राम पर रितेश के साथ तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में एक दूसरे की मुस्कान और करीबी साफ झलक रही है। पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, 'प्यारे रितेश, जो हमें जानते हैं, वे अक्सर सवाल पूछते हैं कि इतने सालों बाद भी हम साथ में इतने खुश कैसे हैं। मुझे लगता है कि इसके पीछे की असली वजह सिर्फ रितेश आप हैं। आप प्यार और अपनेपन के प्रतीक हैं। आप हर पल मुझे हंसाते रहते हैं और जब मेरी आंखों में आंसू आते हैं, तो उन्हें पोंछ भी देते हैं। ' उन्होंने रितेश की तारीफ करते बताया कि अभिनेता के अंदर लोगों से गहरा जुड़ाव रखने की अनोखी काबिलियत है। उन्होंने लिखा, 'आपके साथ रहने वाला हर व्यक्ति खुद को खास महसूस करता है। मैं भाग्यशाली हूं, क्योंकि आप मुझे एक ऐसे साथी के रूप में मिले, जिसका दिल इतना साफ है और सोचिए 24 घंटे, हर पल मैं आपके साथ रहती हूं। इस प्यारे रिश्ते के लिए मैं आपकी शुक्रगुजार हूं। अभिनेत्री ने आखिरी में लिखा, 'मैं आपको हर दिन, हर घड़ी, हर सेकंड सेलिब्रेट करूंगी क्योंकि आप मेरे लिए सबकुछ हो और उससे भी कहीं ज्यादा। हैप्पी बर्थडे मेरे दिल की धड़कन! मेरा दिल आपके पास है, इसे हमेशा संभाल कर रखना। इसी के साथ ही अभिनेता अजय देवगन ने भी जन्मदिन की बधाई देते हुए इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर रितेश के साथ तस्वीर शेयर की, जिसके साथ उन्होंने लिखा, 'जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं रितेश देशमुख। इस साल 'रेड' तो डाल दी, अब अगले साल फिर से धमाल मचाएंगे।

60 करोड़ की धोखाधड़ी का मामला:

420 धारा को लेकर शिल्पा शेट्टी ने दी प्रतिक्रिया आरोपों को बताया झूठा

बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी कुंद्रा और उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ हाल ही में 60 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी और ठगी का आरोप लगा। बड़ी रकम के निवेश, मशहूर हस्तियों की छवि और उनके व्यवसायिक जुड़ाव वाला ये मामला सुर्खियों में है। मुंबई के बिजनेसमैन दीपक कोठारी ने आरोप लगाते हुए मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) में शिकायत दर्ज कराई। इस मामले ने मीडिया और सोशल मीडिया पर काफी हलचल मचा दी है। जांच के दौरान ईओडब्ल्यू के हाथ कुछ ऐसे सबूत लगे हैं जो धोखाधड़ी की ओर इशारा करते हैं, इसलिए इस मामले में धारा 420 भी जोड़ी गई है। इस कड़ी में अब शिल्पा शेट्टी ने प्रतिक्रिया दी है और सभी आरोपों को निराधार बताया है। शिल्पा शेट्टी ने इंस्टाग्राम स्टोरी में एक लंबा नोट साझा किया, जिसमें उन्होंने आरोपों को पूरी तरह खारिज किया। शिल्पा ने लिखा, ''हम फैलाए जा रहे बेबुनियाद और झूठे आरोपों से साफ इनकार करते हैं। जिन मुद्दों को अपराध जैसा दिखाया जा रहा है, उनका कोई कानूनी आधार नहीं है। उन्होंने बताया कि हाई कोर्ट में क्वाशिंग पिटीशन दायर की गई है और उसका निर्णय अभी लंबित है।

हमने जांच में पूरी तरह सहयोग किया है और हमें न्याय व्यवस्था पर पूरा भरोसा है। इसके साथ ही उन्होंने पोस्ट में मीडिया से भी विनती की कि मामले पर जल्दबाजी में कोई रिपोर्टिंग न करें क्योंकि यह मामला अभी अदालत में विचाराधीन है। मामले की शुरुआत दीपक कोठारी की शिकायत से हुई, जिसमें उन्होंने बताया कि 2015 से 2023 के बीच उन्होंने बेस्ट डील टीवी प्राइवेट लिमिटेड नाम की कंपनी में लगभग 60 करोड़ रुपए निवेश किए। यह कंपनी शिल्पा और राज कुंद्रा से जुड़ी हुई थी। शिकायतकर्ता का कहना है कि उन्हें निवेश के बदले लाभ और पैसे के रिटर्न का भरोसा दिया गया था, लेकिन बार-बार मांगने के बावजूद उनके पैसे वापस नहीं किए गए। हालांकि, शिल्पा और राज कुंद्रा ने पहले ही प्रेस में स्पष्ट कर दिया है कि उनके इरादे कभी अपराधपूर्ण नहीं थे। उनका कहना है कि यह विवाद केवल व्यापार में हुई विफलता और कंपनी के दिवालियापन से जुड़ा है।

मेरे लिए प्रोजेक्ट्स के क्वांटिटी से ज्यादा क्वालिटी महत्वपूर्ण: माधुरी दीक्षित

बॉलीवुड की 'धक-धक गर्ल' माधुरी दीक्षित लंबे समय के बाद पर्दे पर वापसी कर रही हैं। वह जल्द ही एक बहुप्रतीक्षित थ्रिलर सीरीज 'मिसेज देशपांडे' में नजर आने वाली हैं। इस बीच इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि वह इतने दिनों तक स्क्रीन से दूर क्यों थीं? माधुरी दीक्षित ने कहा कि वह आजकल बहुत सोच-समझकर ही किसी प्रोजेक्ट का चुनाव करती हैं।

अब मेरे लिए फिल्मों या वेब सीरीज की क्वांटिटी से ज्यादा क्वालिटी मायने रखती है। कलाकार को वही काम करना चाहिए जिससे उसे खुशी और संतुष्टि मिले, न कि सिर्फ स्क्रीन पर बने रहने के लिए काम करना चाहिए। माधुरी ने कहा, ''मैं ऐसे किरदार निभाना चाहती हूं, जिसे लेकर मैं हर सुबह उत्साह के साथ काम पर जाऊं। मन में यह भावना हो कि आज कुछ खास और चुनौतीपूर्ण करने जा रही हूं। यही वजह है कि मैं अब सिर्फ वही भूमिकाएं चुनती हूं, जो मुझे भीतर से प्रेरित करती हैं।'' माधुरी ने निर्देशक नागेश कुकुनूर का भी जिक्र किया।

उन्होंने कहा, ''मैं उन्हीं फिल्ममेकर्स के साथ काम करना चाहती हूं, जिन पर मुझे भरोसा हो कि वे कहानी और किरदार के साथ पूरा न्याय करेंगे। नागेश कुकुनूर जैसे निर्देशक किरदारों की गहराई को समझते हैं और कलाकार को अपनी पूरी क्षमता दिखाने का मौका देते हैं।

वरुण ने की दिलजीत दोसांझ की तारीफ

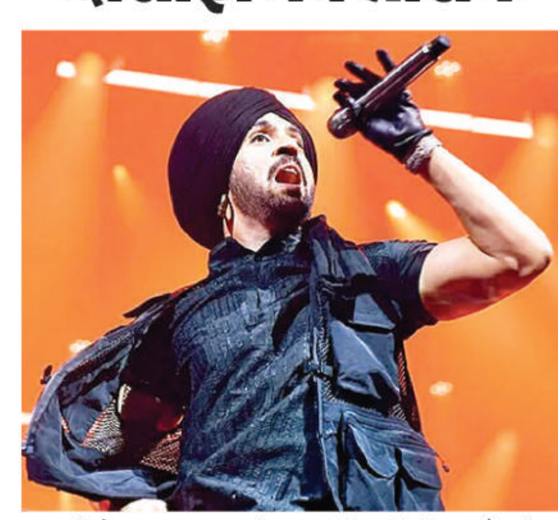

अभिनेता वरुण धवन की अपकमिंग फिल्म 'बॉर्डर 2' सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। ऐसे में वरुण ने अपने को-स्टार, पंजाबी सिंगर और अभिनेता दिलजीत दोसांझ की जमकर तारीफ की। वरुण ने बताया कि आने वाली फिल्म के लिए दिलजीत ने खूब मेहनत की है। वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ दोनों कलाकार बहुप्रतीक्षित देशभक्ति फिल्म में साथ नजर आएंगे।

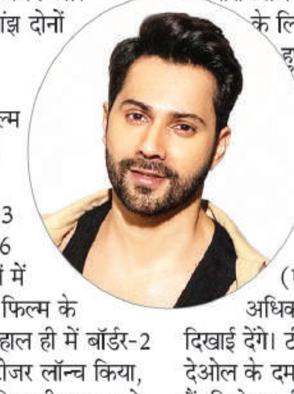

फिल्म 23 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के निर्माताओं ने हाल ही में बॉर्डर-2 का शानदार टीजर लॉन्च किया, जिसमें देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत कहानी की झलकियां दिखाई गईं। टीजर लॉन्च इवेंट में वरुण धवन मौजूद थे, लेकिन दिलजीत दोसांझ किसी कारणवश शामिल नहीं हो सके थे। वरुण धवन ने दिलजीत की सराहना करते हुए कहा, 'दिलजीत ने हमारी फिल्म 'बॉर्डर 2' के लिए खूब मेहनत की और अपना खून-पसीना बहाया है। वह फिल्म में परम वीर चक्र विजेता का किरदार निभा रहे हैं। मैं शानदार एक्टर का धन्यवाद करता हूं। 'बॉर्डर 2' 1997 की सुपरहिट फिल्म 'बॉर्डर' की सीक्वल है, जो 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध पर आधारित है।

इस फिल्म में सनी देओल लीड रोल में हैं, जबकि वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी महत्वपूर्ण किरदार निभा रहे हैं। वहीं, विजय दिवस के मौके पर सामने आए टीजर में चारों अभिनेता देश की रक्षा के लिए डटकर लड़ते हुए नजर आते हैं। वरुण भारतीय थलसेना (आर्मी), दिलजीत नौसेना (नेवी) और अहान वायुसेना (एयर फोर्स) के अधिकारी की भूमिका में दिखाई देंगे। टीजर में सनी देओल के दमदार डायलॉग्स भी हैं, जिसे काफी पसंद किया जा रहा है। एक डायलॉग में वो पड़ोसी देश से कहते हैं, ' 'तुम जहां से भी घुसने की कोशिश करोगे, आसमान से जमीन से, समंदर से सामने एक हिंदुस्तानी फौजी खड़ा पाओगे जो आंखों में आंखें डालकर सीना ठोक कर कहेगा, हिम्मत है तो आ... ये खड़ा है हिन्दुस्तान। अनुराग सिंह के निर्देशन में तैयार फिल्म युद्ध की वास्तविक घटनाओं से प्रेरित है। 'बॉर्डर 2' के साथ वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ पहली बार बड़े पर्दे पर साथ नजर आएंगे।

अरशद वारसी ने किया 'असुर 3' का एलान

2020 में आया था पहला सीजन

अभिनेता अरशद वारसी हरियाणा के गुरुग्राम में हो रहे संवाद कार्यक्रम में पहुंचे। इस दौरान अभिनेता ने सिनेमा और अपने करियर को लेकर बात की। बातचीत के दौरान अभिनेता ने अपनी लोकप्रिय सीरीज असुर को लेकर भी बड़ी अपडेट साझा की। संवाद कार्यक्रम के दौरान जब अरशद वारसी से उनके लोकप्रिय शो 'असुर' को लेकर सवाल किया गया, तो एक्टर ने इसके बारे में बड़ी अपडेट साझा की। एक्टर ने बताया कि वो जल्द ही सीजन 3 की शूटिंग शुरू करने वाले हैं। अरशद ने कहा कि यह बहुत ही मुश्किल स्क्रिप्ट है लिखने में भी और एक्टिंग के लिहाज से भी। ये साइंस और मायथोलॉजी का ऐसा मिश्रण है, जिसमें आप कहीं भी न तो चूक सकते हैं और न ही लोगों से झूठ बोल सकते हैं। हम इसमें कोई भी मनगढ़ंत बातें नहीं कर सकते।

'असुर' एक साइंस-मायथोलॉजिकल शो है। इस शो का पहला सीजन साल 2020 में रिलीज हुआ था। इसे काफी पसंद किया गया था। सीरीज की कहानी और इसका कॉन्सेप्ट लोगों को काफी पसंद आया था। यही कारण था कि इसे क्रिटिक्स और दर्शकों दोनों ने सराहा था। इसके बाद शो की लोकप्रियता को देखते हुए इसका दूसरा सीजन भी रिलीज किया गया। दूसरा सीजन तीन साल बाद साल 2023 में रिलीज हुआ था। पहले सीजन को दूसरे सीजन से जोड़ते हुए आगे बढ़ाया गया था। इसके बाद से ही फैंस तीसरे सीजन का इंतजार कर रहे हैं। अब अरशद वारसी ने ये साफ कर दिया है कि सीजन 3 बन रहा है और वो जल्द ही इसकी शूटिंग शुरू करेंगे। अरशद वारसी के इस एलान के बाद फैंस 'असुर 3' के लिए और भी उत्साहित हो गए हैं। शो में अरशद वारसी के साथ बरुण सोबती, अनुप्रिया गोयनका और रिद्धि डोगरा भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं।

कृति खरबंदा, पति पुलकित सम्राट को घर पर प्यार से बुलाती हैं अन्नपूर्णा

बॉलीवुड की प्रेम कहानियाँ अक्सर ग्लैमर और चकाचौंध में लिपटी होती हैं, लेकिन कुछ सबसे खूबसूरत रिश्ते बेहद सादे और सच्चे पलों में जन्म लेती हैं और कृति खरबंदा और पुलकित सम्राट की कहानी उन्हीं में से एक है। हाल ही में करण जौहर के साथ एक बातचीत के दौरान कृति ने अपनी ज़िंदगी के उस निजी पल को साझा किया, जिसने उन्हें यह यकीन दिला दिया कि पुलकित ही वह इंसान हैं, जिनके साथ वह अपनी पूरी ज़िंदगी बिताना चाहती हैं। यह पल न तो शोहरत से जुड़ा था, न सफलता से और न ही किसी लग्ज़री से। कृति ने बताया कि यह एक देर रात की ड्राइव थी, जब दोनों बांद्रा की सड़कों से गुज़र रहे थे। उस समय तक उन्होंने अपने रिश्ते को निजी ही रखा हुआ था। शहर की शांत सड़कों पर गाड़ी चलाते हुए एक लेम्बॉर्गिनी उनके पास से गुज़री। सहज-सी जिज्ञासा में कृति ने पुलकित से पूछ लिया कि अगर कभी उनके पास बहुत सारा पैसा हुआ तो वह क्या करेंगे? पुलकित ने बिना एक पल सोचे, सड़क पर ध्यान रखते हुए जो जवाब दिया, उसने एक ही पल में सब कुछ बदल दिया। कृति ने मुस्कुराते हुए बताया, 'पुलकित ने कहा कि वह एक गुरुद्वारा बनवाएंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि वहाँ 24म7 लंगर चलता रहे।' यही वह क्षण था जब कृति को बिना किसी संदेह के यह एहसास हो गया कि यही वह शख्स हैं, जिनसे वह शादी करना चाहती हैं 'उस पल, प्यार एक बार फिर से हो गया,' कृति ने भावुक अंदाज़ में कहा। पुलकित की दरियादिली और खाने को लेकर पुलकित के पैशन पर कृति ने यह भी बताया कि वे घर पर पुलकित को प्यार से 'अन्नपूर्णा' कहकर बुलाती हैं।

एआई डीपफेक पर फूटा श्रीलीला का गुस्सा, बोलीं- अथॉरिटीज अब आगे की कार्रवाई करेंगी

साउथ की चर्चित एक्ट्रेस श्रीलीला ने सोशल मीडिया पोस्ट करके एआई डीपफेक वीडियो को लेकर चिंता जाहिर की है। इस मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की है। श्रीलीला ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए एआई द्वारा बनाए गए डीपफेक को लेकर आवाज उठाई है। डीपफेक के जरिए महिलाओं की गरिमा को बहुत ठेस पहुंचाई जा रही है। इस बात से श्रीलीला काफी गुस्से में हैं। उन्होंने इस समस्या को लेकर एक लंबी-चौड़ी पोस्ट इंस्टाग्राम पर शेयर की है। श्रीलीला ने बुधवार को अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें वह लिखती हैं, 'मैं हाथ जोड़कर हर सोशल मीडिया यूजर से रिक्वेस्ट करती हूं कि एआई से बनी बकवास को सपोर्ट न करें। टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने और उसका गलत इस्तेमाल करने में फर्क होता है। मेरी राय में टेक्नोलॉजी की तरक्की से जिंदगी आसान होनी चाहिए ना कि मुश्किल।'

साभार एजेंसी

वरुण चक्रवर्ती ने आईसीसी टी20

अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजी रैंकिंग में सर्वश्रेष्ठ रेटिंग अंक हासिल किए

नई दिल्ली, एजेंसी। चौंतीस साल के चक्रवर्ती ने पांच मैच की घरेलू श्रृंखला में लगातार तीन बार दो विकेट चटकाते हुए अपने रेटिंग अंकों को 818 तक पहुंचाया जो उनकी सर्वश्रेष्ठ रेटिंग है. भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने बुधवार को जारी आईसीसी की नवीनतम पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली जब उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रही श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के बाद करियर के सर्वश्रेष्ठ रेटिंग अंक हासिल किए. चौंतीस साल के चक्रवर्ती ने पांच मैच की घरेलू श्रृंखला में लगातार तीन बार दो विकेट चटकाते हुए अपने रेटिंग अंकों को 818 तक पहुंचाया जो उनकी सर्वश्रेष्ठ रेटिंग है. इस दाएं हाथ के गेंदबाज ने श्रृंखला के शुरुआती तीन मैच में छह विकेट लिए जिसमें धर्मशाला में पिछले मैच में चार ओवर में 11 रन देकर दो विकेट चटकाकर किफायती गेंदबाजी करना भी शामिल है. भारत ने धर्मशाला में हुआ मैच सात विकेट से जीता था. चक्रवर्ती दूसरे स्थान पर मौजूद न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी (699) पर 119 अंक की विशाल बढ़त बनाए हुए हैं. साथ ही टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों के लिए अब तक की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग के मामले में शीर्ष 10 में भी पहुंच गए हैं. बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह भी तीसरे मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने जाने वाले शानदार प्रदर्शन के दम पर चार स्थान ऊपर 16वें स्थान पर पहुंच गए हैं. दक्षिण अफ्रीका की ओर से मार्को यानसेन (14 स्थान ऊपर 25वें स्थान पर), लुंगी एनगिडी (11 पायदान ऊपर 44वें स्थान पर) और ओटनील बार्टमैन ने भी सुधार किया। बार्टमैन शीर्ष 100 से बाहर से 68वें स्थान पर पहुंच गए. टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों में भारत के अब रैंकिंग में शीर्ष पांच में दो खिलाड़ी हैं. तिलक वर्मा दो स्थान ऊपर चढ़कर चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं. अभिषेक शर्मा ने शीर्ष अपनी पकड़ बनाए रखी है. दक्षिण अफ्रीका के एडेन मारक्रम (आठ स्थान ऊपर 29वें पायदान पर) और क्विंटन डिकॉक (14 स्थान ऊपर 43वें पायदान पर) की रैंकिंग में सुधार हुआ है. पिछले हफ्ते कोई भी अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेलने के बावजूद पाकिस्तान के साइम अयूब टी20 अंतरराष्ट्रीय ऑलराउंडर की रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार हैं. भारत के शिवम दुबे दो पायदान ऊपर 16वें स्थान पर आ गए हैं.

विराट कोहली नहीं...

जेम्स एंडरसन ने इस दिग्गज को बताया क्रिकेट इतिहास का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने क्रिकेट इतिहास के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज को लेकर अपनी राय रखी है। विराट कोहली जैसे आधुनिक दौर के सुपरस्टार को पीछे छोड़ते हुए एंडरसन ने सचिन तेंदुलकर को ऑल-टाइम ग्रेट बल्लेबाज बताया है। यह बयान उन्होंने क्रिकेट TNT स्पोर्ट्स पर साझा किए गए एक वीडियो में दिया।

जुलाई 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले एंडरसन ने कहा कि तेंदुलकर की निरंतरता, तकनीक और लंबे करियर में बनाए गए रिकॉर्ड उन्हें सबसे ऊपर रखते हैं। 24 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर में सचिन ने 664 मैचों में 34,357 रन बनाकर इतिहास रचा। वहीं विराट कोहली 556 मैचों में 27,975 रन के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

अन्य देशों के दिग्गजों पर भी दी राय

एंडरसन ने इंग्लैंड के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के तौर पर जो रूट को चुना, जो टेस्ट और वनडे दोनों में देश के लिए सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। ऑस्ट्रेलिया से उन्होंने शेन वॉर्न को महानतम खिलाड़ी और ग्लेन मैक्ग्राथ को सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज बताया।

ऑल-राउंडर, फील्डर और कप्तान

ऑल-राउंडर की बात आई तो एंडरसन ने जैक्स कैलिस को पीछे छोड़ते हुए इयान बॉथम को चुना। फील्डिंग में उन्होंने जोंटी रोड्स को सर्वश्रेष्ठ माना। वहीं कप्तानी के लिए उनकी पसंद स्टीव वॉ रहे, जिनके नेतृत्व में ऑस्ट्रेलिया ने 1999 वर्ल्ड कप सहित कई बड़ी सफलताएँ हासिल कीं। एंडरसन की यह सूची उनके अनुभव और कई पीढ़ियों के दिग्गजों के खिलाफ खेलने की समझ को दर्शाती है, जिसमें सचिन तेंदुलकर को उन्होंने सबसे ऊंचा स्थान दिया।

टेक महिंद्रा ग्लोबल चैस लीग:

अपग्रैड मुंबई मास्टर्स की बढ़त क़ायम

मुबई, एजेंसी। ग्लोबल चेस लीग के तीसरे सत्र के चौंथे दिन के खेल के बाद अपने घर में खेल रही मुम्बा मास्टर्स नें कल की हार से वापसी करते हुए एक बार फिर बड़े अन्तर से जीत दर्ज करते हुए अपनी बढ़त को क़ायम रखा है वहीं मौजूदा चैंपियन ट्रिवेणी कॉन्टिनेंटल किंग्स ने भी तीसरी जीत दर्ज करते हुए खुद को दूसरे स्थान पर बनाये रखा है। दिन की शुरुआत हुई फ़ायर्स अमेरिकन गैम्बिट्स और अल्पाइन एसजी पाइपर्स के बीच मुक़ाबले से जिसमें पहले बोर्ड पर हिकारू नकामुरा और फैबियानो कारूआना से लेकर चौंथे बोर्ड तक सभी बाजियाँ बेनतीजा रही पर महिलाओं के दूसरे बोर्ड पर नीनो बातश्विली और प्रोडीजी बोर्ड पर मैंडोंसा लियोन ल्यूक नें मुर्ज़ीन वॉलोडर को मात देते हुए अल्पाइन पाइपर्स को 10-4 की बड़ी जीत दिला दिन , लगातार दो हार से शुरुआत करने वाली अल्पाइन की यह लगातार दूसरी जीत रही । दिन का दूसरा मुकाबला हुआ सबसे आखिरी में चल रही डी गुकेश और अर्जुन एरिगैसी से सजी टीम पिछले बार की उपविजेता पीबीजी अलास्कान नाइट्स का अपग्राड मुम्बा मास्टर्स के बीच पहले बोर्ड पर गुकेश और मैक्सिम लाग्रेव के बीच बाजी ड्रा रही पर इसके बाद बेहतर स्थिति में होने के बाद भी अर्जुन - वेस्ली सो से तो लग्नों कैटरिना कोनेरू हंपी से और डेनियल धरधा से हार गए और मुम्बा मास्टर्स नें इस सत्र की सबसे बड़ी जीत 18-2 से दर्ज की । इसके साथ ही मुम्बा मास्टर्स नें 9 मैच अंक और 51 गेम अंक के साथ एकल बढ़त को बनाये रखा है ।

'गेहूं बेचकर खरीदा था टिकट, मेरा पैसा वापस करो'

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच बुधवार को खेले जाने वाला चौथा टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला कोहरे के कारण रद्द होने के बाद प्रशंसक भड़क उठे और उन्होंने बीसीसीआई से टिकट के पैसे वापस करने की मांग की. इकाना स्टेडियम खचाखच भरा हुआ था, जहां बड़ी संख्या में दर्शक भारतीय टीम और प्रोटियाज के बीच कड़े मुकाबले की उम्मीद में पहुंचे थे. लखनऊ भारत के लिए अब तक एक सफल मैदान रहा है, जहां टीम इंडिया ने अपने तीनों मुकाबले जीते हैं. ऐसे में सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम को इस मैच में बढ़त हासिल मानी जा रही थी. मेजबान टीम की जीत से सीरीज भी भारत के नाम हो जाती, लेकिन कोहरे ने पूरे दिन खेल बिगाड़ दिया और टॉस तक नहीं हो सका.

लखनऊ में मैच रद्द होने के बाद भड़के

फैन्सस्टेडियम के बाहर प्रशंसक साफ तौर पर नाराज़ दिखे. सामने आए एक वीडियो में फैंस अपने टिकट दिखाते हुए अधिकारियों से रिफंड की मांग करते नजर आए. वीडियो में एक प्रशंसक ने कहा, 'मैंने तीन बोरी गेहूं बेचकर मैच देखने के लिए यहां आया था. मुझे मेरे पैसे वापस चाहिए...

जेसन होल्डर पर डेढ़ साल से थी जीटी की निगाहें, पार्थिव पटेल ने बताई खरीदारी की वजह

नई दिल्ली, एजेंसी। गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 की नीलामी में 5 खिलाड़ियों को अपने साथ जोड़ा है। फ्रेंचाइजी ने जेसन होल्डर पर सर्वाधिक 7 करोड़ रुपए खर्च किए। गुजरात टाइटंस (जीटी) के असिस्टेंट कोच पार्थिव पटेल ने बताया कि फ्रेंचाइजी पिछले डेढ़ साल से इस कैरेबियाई खिलाड़ी पर नजर बनाए हुए थी। जेसन होल्डर को 7 करोड़ रुपए में खरीदने पर पार्थिव पटेल ने आईएएनएस को बताया, 'हमने पिछले डेढ़ साल से जेसन होल्डर पर नजर बनाए रखी थी।

वह टी20 क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने सभी लीग में जहां भी खेला है, वह बेहतरीन रहे हैं। गुजरात टाइटंस हमेशा अनुभवी खिलाड़ियों की तलाश करता है। हम सभी जानते हैं कि जेसन होल्डर कितने अनुभवी हैं।' अशोक शर्मा को 90 लाख रुपए में अपने साथ जोड़ने पर गुजरात टाइटंस के असिस्टेंट कोच पार्थिव पटेल ने कहा, 'हम सभी को लगता है कि अशोक शर्मा जिस तरह से तेज गेंदबाजी कर रहे हैं, वह बहुत ही शानदार है। हम टीम में एक अनकैप्ड तेज गेंदबाज को लाना चाहते थे।

हमें अच्छा लग रहा है कि एक युवा तेज गेंदबाज हमारी टीम में आया है। फ्रेंचाइजी ने पृथ्वीराज यारा को 30 लाख रुपए में खरीदा है। उनकी तारीफ में पार्थिव पटेल ने कहा, 'वह काफी समय से फर्स्ट-क्लास क्रिकेट खेल रहे हैं। बीच में उन्हें चोट भी लगी थी। वह हमारे लिए एक बाएं हाथ के गेंदबाज का वेरिएशन लाते हैं। हमें लगा कि ये दोनों बहुत ही शानदार गेंदबाज हैं। हम उन्हें अपनी टीम में लाकर खुश हैं।

आईपीएल 2026 के लिए गुजरात टाइटंस की टीम:

रिटेंशनः अनुज रावत, ग्लेन फिलिप्स, गुरनूर सिंह बराड़, ईशांत शर्मा, मोहम्मद सिराज, मोहम्मद अरशद खान, निशांत सिंधु, प्रसिद्ध कृष्णा, साई किशोर, राहुल तेवतिया, राशिद खान, जयंत यादव, जोस बटलर, कगिसो रबाडा, कुमार कुशाग्र, मानव सुथार, साई सुदर्शन, शाहरुख खान, शुभमन गिल और वाशिंगटन सुंदर।

नीलामी में खरीदारीः जेसन होल्डर (7 करोड़ रुपए), टॉम बैंटन (2 करोड़ रुपए), अशोक शर्मा (90 लाख रुपए), ल्यूक वुड (75 लाख रुपए) और पृथ्वी राज (30 लाख रुपए)।

टेनिस जगत में बड़ा बदलाव

अल्कराज-फरेरो की सफल जोड़ी बिछड़ी, खत्म हुई सात साल की साझेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज ने अपने लंबे समय के कोच जुआन कार्लोस फरेरो से अलग होने की घोषणा की। फरेरो के मार्गदर्शन में अल्कराज ने छह ग्रैंड स्लैम खिताब जीतकर टेनिस की दुनिया में नई ऊंचाइयां हासिल कीं। विश्व के शीर्ष रैंकिंग वाले टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज ने अपने लंबे समय से कोच रहे जुआन कार्लोस फरेरो के साथ सात साल की सफल साझेदारी समाप्त करने का फैसला किया है। फरेरो वही कोच हैं जिन्होंने अल्कराज को पुरुष टेनिस के शिखर तक पहुंचाया।

15 साल की उम्र से फरेरो ने दी अल्काराज को कोचिंग

अल्कराज ने बुधवार को सोशल मीडिया पर इस फैसले की घोषणा की। वहीं फरेरो ने अलग बयान में अपने शिष्य का धन्यवाद करते हुए कहा कि वे इस साझेदारी को जारी रखना चाहते थे। फरेरो ने अल्कराज को 15 साल की उम्र से कोचिंग दी, जिसके दम पर स्पेनिश स्टार ने कुल छह ग्रैंड स्लैम खिताब जीते। इनमें दो फ्रेंच ओपन, दो विंबलडन और दो यूएस ओपन शामिल हैं। इसके अलावा उन्होंने 24 एटीपी टूर खिताब अपने नाम किए, जिनमें आठ मास्टर्स 1000 ट्रॉफियां शामिल हैं।

22 वर्षीय अल्कराज ने लिखा, 'सात साल से ज्यादा समय साथ बिताने के बाद, जुआनकी और मैंने कोच और खिलाड़ी के रूप में अपनी यात्रा को यहीं समाप्त करने का फैसला किया है। मेरे बचपन के सपनों को हकीकत में बदलने के लिए धन्यवाद। जब हमने यह सफर शुरू किया था, तब मैं बस एक बच्चा था। आपने कोर्ट के अंदर और बाहर, हर कदम पर मेरा साथ दिया। मैंने इस यात्रा के हर पल का भरपूर आनंद लिया।'

'अलविदा कहना कभी आसान नहीं होता'

फरेरो के साथ ही अल्कराज 2022 में 19 साल की उम्र में यूएस ओपन जीतकर एटीपी रैंकिंग में नंबर 1 बनने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने थे। फरेरो ने कहा, 'आज का दिन मुश्किल है। ऐसे मौकों पर सही शब्द ढूंढना आसान नहीं होता। अलविदा कहना कभी आसान नहीं होता, खासकर तब जब इतने अनुभव साथ साझा किए हों। हमने कड़ी मेहनत की, साथ बढ़े और अविस्मरणीय पल जिए।

एडिलेड में गेंदबाज नाथन लियोन ने ग्लेन मैकग्रा का तोड़ा रिकॉर्ड

एडिलेड, एजेंसी। क्रिकेट की दुनिया में जब भी ऑस्ट्रेलिया के महान गेंदबाजों का नाम लिया जाता है, तो शेन वॉर्न और ग्लेन मैकग्रा जैसे दिग्गजों का जिक्र सबसे पहले आता है, लेकिन अब एडिलेड ओवल के मैदान से एक ऐसी खबर आई है जिसने इतिहास की किताबों को फिर से लिखने पर मजबूर कर दिया है। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी ऑफ-स्पिनर नाथन लियोन अब देश के दूसरे सबसे सफल टेस्ट गेंदबाज बन गए हैं। नाथन लियोन के लिए यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि उन्होंने यह कारनामा उसी एडिलेड ओवल मैदान पर किया, जहां कभी वह पिच तैयार करने वाले 'क्यूरेटर' (ग्राउंड्समैन) के तौर पर काम करते थे। 38 वर्षीय लियोन ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे एशेज टेस्ट के पहले ही दिन वह कर दिखाया, जिसका इंतजार करोड़ों क्रिकेट प्रेमी कर रहे थे।

मैच की शुरुआत में लियोन को ब्रिस्बेन टेस्ट से बाहर रखने के फैसले पर सवाल उठ रहे थे, लेकिन एडिलेड में उन्होंने आते ही अपनी जादू बिखेरा। उन्होंने पहले ओली पोप (3 रन) को आउट कर ग्लेन मैक्ग्रा के 563 विकेटों की बराबरी की। इसके कुछ ही पलों बाद, लियोन ने एक शानदार गेंद पर बेन डकेट को बोल्ड कर अपना 564वां टेस्ट विकेट पूरा कर लिाया। इस विकेट के साथ ही उन्होंने महान तेज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्रा (563 विकेट) को पीछे छोड़ दिया। अब ऑस्ट्रेलियाई इतिहास में उनसे आगे सिर्फ स्पिनर शेन वॉर्न (708 विकेट) हैं। लियोन अब दुनिया के सर्वकालिक सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में छठे स्थान पर आ गए हैं। इस लिस्ट में अब उनसे ऊपर केवल मुथैया मुरलीधरन (800), शेन वॉर्न (708), जेम्स एंडरसन (704), अनिल कुंबले (619), और स्टुअर्ट ब्रॉड (604) हैं। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने उनकी इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए कहा, 'सोचिए, सालों पहले वह इसी मैदान पर घास काटने वाली मशीन (रोलर) पर बैठा करते थे और आज उन्होंने महान मैक्ग्रा को पीछे छोड़ दिया है। यह एक अविश्वसनीय सफर है। '

अनंतजीत और दर्शना ने मिक्स्ड टीम स्कीट में साधा गोल्ड पर निशाना

नेशनल शूटिंग चैंपियनशिपः

नई दिल्ली, एजेंसी। 68वीं नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में राजस्थान की टीम के अनंतजीत सिंह नरुका और दर्शना राठौड़ ने सीनियर स्कीट मिक्स्ड टीम इवेंट में गोल्ड मेडल जीता। राजस्थान ने रोमांचक मुकाबले में उत्तर प्रदेश को 45-43 से मात दी।

डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज में एशियाई चैंपियन अनंतजीत और दर्शना ने मिलकर शानदार प्रदर्शन किया। अनंतजीत ने 21 टारगेट हिट किए, जबकि दर्शना ने 24 टारगेट पर निशाने लगाए। इन खिलाड़ियों ने गोल्ड मेडल मैच में ओलंपियन मैराज अहमद खान (21) और अरीबा खान (22) की उत्तर प्रदेश टीम को हराया। इससे पहले, राजस्थान ने क्वालिफिकेशन में 143 हिट के साथ बढ़त बनाई थी, जिसमें अनंतजीत ने 73 और दर्शना ने 70 हिट किए थे, जिससे उन्हें सीधे फाइनल में जगह मिली। वहीं, उत्तर प्रदेश ने क्वालिफिकेशन के दौरान शूटआउट में हरियाणा को

हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की थी। दूसरी ओर, हरियाणा की टीम ने मध्य प्रदेश को 41-39 से हराकर सिल्वर मेडल जीता। हरियाणा की टीम से रायजा ढिल्लों (72) ने 21 हिट और ईशान सिंह लिब्रा (70) ने 20 हिट किए। मध्य प्रदेश की टीम चौथे पायदान पर रही, जिसमें ऋतुराज बुंदेला (20) और मानसी रघुवंशी (19) शामिल थे। जूनियर स्कीट मिक्स्ड टीम इवेंट में तेलंगाना के युवेक बट्टुला और लक्कू वेंकट लक्ष्मी ने 19-19 हिट करके खिताब अपने नाम किया।

इस टीम को मध्य प्रदेश ने कड़ी टक्कर दी, जिसमें ज्योतिरादित्य सिसोदिया ने 17 और वंशिका तिवारी ने 20 हिट किए, लेकिन करीबी फाइनल में एक प्वाइंट्स से चूक गए। पंजाब ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। इस टीम में हरमेहर सिंह लल्ली और परमीत कौर ने 40 हिट करके तीसरा स्थान हासिल किया। पंजाब ने यशस्वी राठौर और यशवर्धन एस राजावत की राजस्थान टीम को शिकस्त दी, जिन्होंने 39 हिट्स किए थे।

तीन देशों की यात्रा समाप्त करके स्वदेश रवाना हुए प्रधानमंत्री मोदी

» मस्कट, भाषा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ओमान की अपनी महत्वपूर्ण यात्रा समाप्त करके बृहस्पतिवार को स्वदेश रवाना हुए। उनकी यात्रा के दौरान दोनों देशों ने एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए। ओमान के रक्षा मामलों के उपप्रधानमंत्री सैयद शिहाब बिन तारिक अल सईद ने मोदी को विदा किया और विदाई के समय नमस्ते किया। बुधवार को यहां पहुंचे प्रधानमंत्री ने ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक से भी बातचीत की और द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को बढ़ाने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया। मोदी ने दोनों देशों द्वारा हस्ताक्षरित व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) का उल्लेख करते हुए पोस्ट किया, इस यात्रा के दौरान मिले स्नेह के लिए महामहिम सुल्तान हैथम बिन तारिक, ओमान सरकार और ओमान की जनता के प्रति मैं आभार व्यक्त करता हूं।

सीईपीए पर हस्ताक्षर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है जिससे हमारे देशों के युवाओं को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि हमने अन्य भविष्योन्मुखी क्षेत्रों में भी महत्वपूर्ण प्रगति की है। आशा है कि आने वाले समय में भारत-ओमान की मित्रता और भी मजबूत होती रहेगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस यात्रा को दिलों को छूने वाली और संबंधों को मजबूत करने वाली बताया। जायसवाल ने एक्स पर पोस्ट किया, महत्वपूर्ण चर्चाओं और प्रमुख परिणामों की प्राप्ति के बाद, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जॉर्डन, इथियोपिया और ओमान की चार दिवसीय व्यस्त यात्रा के बाद भारत रवाना हो रहे हैं। प्रधानमंत्री तीन देशों की अपनी यात्रा के अंतिम चरण में ओमान में थे, जिसके तहत उन्होंने जॉर्डन और इथियोपिया का भी दौरा किया। द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में उनके योगदान के लिए सुल्तान तारिक ने प्रधानमंत्री को ओमान सल्तनत के विशिष्ट नागरिक सम्मान, ऑर्डर ऑफ ओमान से सम्मानित भी किया। मस्कट में, प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में भारत और ओमान ने मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के तहत वस्त्र, कृषि उत्पाद और चमड़े के सामान सहित भारत के 98 प्रतिशत निर्यात को ओमान में शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी। दूसरी ओर, भारत खजूर, संगमरमर और पेट्रो रसायन वस्तुओं जैसे ओमान के उत्पादों पर शुल्क कम करेगा। इस समझौते के अगले वर्ष की पहली तिमाही से लागू होने की उम्मीद है। मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया, आज हम भारत-ओमान संबंधों में एक ऐतिहासिक कदम आगे बढ़ा रहे हैं, जिसका सकारात्मक प्रभाव आने वाले दशकों तक महसूस किया जाएगा। व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) 21वीं सदी में हमारे संबंधों को नई गति प्रदान करेगा। यह व्यापार और निवेश को नई गति देगा और विभिन्न क्षेत्रों में नए अवसर खोलेगा। यह समझौता ऐसे समय में हुआ है जब भारत को अपने सबसे बड़े निर्यात गंतव्य अमेरिका में 50 प्रतिशत तक के भारी शुल्क का सामना करना पड़ रहा है। ओमान एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार है और भारत के सामान और सेवाओं के लिए व्यापक क्षेत्र और अफ्रीका तक पहुंचने का एक प्रमुख प्रवेश द्वार है। मोदी और सुल्तान ने अपनी मुलाकात में, इस बात पर जोर दिया कि भारत और ओमान के बीच राजनयिक संबंधों के 70 वर्ष पूरे होना द्विपक्षीय साझेदारी में एक मील का पत्थर है। जायसवाल ने कहा, उन्होंने भारत-ओमान रणनीतिक साझेदारी को और अधिक प्रगाढ़ बनाने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया। मोदी ने यहां भारतीय छात्रों और समुदाय के सदस्यों से भी बातचीत की, जिसमें उन्होंने भारतीय प्रवासी समुदाय की पहचान के रूप में सह-अस्तित्व और सहयोग पर जोर दिया।

भारत ने पहली बार ओमान के साथ व्यापार समझौते में पारंपरिक दवाओं को शामिल किया

ओमान के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) में पहली बार भारत की पारंपरिक औषधियों को शामिल किया गया है। इससे खाड़ी देशों में आयुष उत्पादों के लिए बाजार पहुंच बढ़ेगी। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि समझौते का एक महत्वपूर्ण पहलू ओमान की पारंपरिक चिकित्सा के प्रति प्रतिबद्धता है, जो आपूर्ति के सभी तरीकों तक विस्तारित है। यह किसी भी देश द्वारा की गई इस तरह की पहली व्यापक प्रतिबद्धता है और इससे भारत के आयुष और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्रों को खाड़ी क्षेत्र में अपनी ताकत दिखाने का एक महत्वपूर्ण अवसर मिलेगा। आयुष मंत्रालय ने भारतीय पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने के लिए विभिन्न पहल शुरू की हैं।

भारत के 98 प्रतिशत निर्यात को ओमान में शुल्क मुक्त पहुंच प्रदान की जाएगी

भारत, ओमान ने व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए, श्रम प्रधान क्षेत्रों को मिलेगी शुल्क मुक्त पहुंच

» मस्कट, भाषा।

भारत और ओमान ने बृहस्पतिवार को मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत वस्त्र, कृषि उत्पाद तथा चमड़े के सामान सहित भारत के 98 प्रतिशत निर्यात को ओमान में शुल्क मुक्त पहुंच प्रदान की जाएगी। यह समझौता ऐसे समय में हो रहा है जब भारत को अपने सबसे बड़े निर्यात गंतव्य अमेरिका में 50 प्रतिशत तक के भारी शुल्क का सामना करना पड़ रहा है। यह समझौता भारतीय निर्यातकों को पश्चिम एशियाई क्षेत्र में अपने निर्यात को विविधतापूर्ण बनाने में मदद करेगा, जो अफ्रीका और यूरोप का प्रवेश द्वार है। व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) पर वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और ओमान के वाणिज्य, उद्योग और निवेश संवर्धन मंत्री कैस बिन मोहम्मद अल यूसुफ ने मस्कट में हस्ताक्षर किए। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक मौजूद थे। इस समझौते को 2026 की पहली तिमाही तक लागू किए जाने की संभावना है।

समझौते के अनुसार, ओमान ने अपनी कुल शुल्क दरों की 98.08 प्रतिशत श्रेणियों पर शून्य-शुल्क पहुंच की पेशकश की है। इसमें ओमान को होने वाले भारत के 99.38 प्रतिशत निर्यात को हिस्सा शामिल है। समझौते के तहत रत्न एवं आभूषण, वस्त्र, चमड़ा, जूते, खेल सामग्री, प्लास्टिक, फर्नीचर, कृषि उत्पाद, इंजीनियरिंग उत्पाद, औषधि, चिकित्सा उपकरण और मोटर वाहन सहित सभी प्रमुख श्रम-प्रधान क्षेत्रों को पूर्ण शुल्क समाप्ति का लाभ मिलेगा। वर्तमान में ओमान में इन वस्तुओं पर पांच से 100 प्रतिशत तक आयात शुल्क लगता है। दूसरी ओर भारत अपनी कुल शुल्क श्रेणियों (12,556) में से 77.79 प्रतिशत पर शुल्क उदारीकरण की पेशकश कर रहा है। इसमें मूल्य के आधार पर ओमान से होने वाले भारत के 94.81 प्रतिशत आयात शामिल है। ओमान के लिए जिन उत्पादों में निर्यात रुचि है और जो भारत के लिए संवेदनशील हैं, वहां अधिकांश मामलों में शुल्क-दर कोटा (टीआरक्यू) आधारित शुल्क उदारीकरण की पेशकश की गई है। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत-ओमान व्यापार शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि यह समझौता द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों में नई ऊर्जा का संचार करेगा और साथ ही पारस्परिक वृद्धि के अवसर भी पैदा करेगा। सीईपीए को भारत-ओमान के साझा भविष्य की रूपरेखा करार देते हुए प्रधानमंत्री ने व्यापार जगत से इस समझौते की पूरी क्षमता का लाभ उठाने को कहा। उन्होंने कहा, आज हम एक ऐसा ऐतिहासिक निर्णय ले रहे हैं, जिसकी गूंज आने वाले कई दशकों तक सुनाई देगी। व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता हमारी साझेदारी को 21वीं सदी में नया विश्वास एवं नई ऊर्जा प्रदान करेगा। गोयल ने कहा कि यह व्यापार समझौता भारतीय निर्यातकों और पेशेवरों के लिए अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने कहा, इससे ओमान के बाजार में भारतीय वस्तुओं के लिए शुल्क-मुक्त पहुंच संभव हो जाएगी। प्रमुख उच्च-वृद्धि वाले क्षेत्रों में सेवाओं के प्रति प्रतिबद्धता का विस्तार होगा और भारतीय पेशेवरों के लिए आवाजाही बढ़ेगी। गोयल ने कहा कि यह समझौता किसानों, कारीगरों, श्रमिकों और लघु एवं मध्यम उद्यमों को लाभ पहुंचाते हुए समावेशी वृद्धि के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करता है। साथ ही साथ राष्ट्रीय हितों की रक्षा भी करता है। ओमान के साथ व्यापार समझौता महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत के सबसे बड़े निर्यात गंतव्य अमेरिका द्वारा अगस्त से भारतीय वस्तुओं पर भारी शुल्क लगाने के बाद सरकार भारत के निर्यात में विविधता लाने के लिए काम कर रही है। भारत ने जुलाई में ब्रिटेन के साथ एक व्यापक व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए और यूरोपीय संघ और न्यूजीलैंड के साथ बातचीत अंतिम चरण में है। भारत पश्चिम एशियाई देशों में भी अपनी उपस्थिति मजबूत कर रहा है। मई 2022 में भारत ने संयुक्त अरब अमीरात के साथ एक समझौता लागू किया और जल्द ही कतर के साथ बातचीत शुरू करेगा। ए देश खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के सदस्य हैं। ओमान भले ही एक छोटा देश है, लेकिन इसका रणनीतिक महत्व है क्योंकि यह होर्मुज जलडमरूमध्य से सटा हुआ है, जो एक महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है। एशियाई कंपनियां तेल व्यापार के लिए इस मार्ग का उपयोग करती हैं। ओमान भारत के लिए भी इस क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार है, क्योंकि यह पश्चिम एशियाई और अफ्रीकी देशों के लिए भारतीय वस्तुओं एवं सेवाओं का एक प्रमुख प्रवेश द्वार है। ओमान में लगभग सात लाख भारतीय नागरिक रहते हैं। भारत को ओमान से प्रतिवर्ष लगभग दो अरब अमेरिकी डॉलर की राशि प्राप्त होती है।

भारत ने ढाका में वीजा केंद्र का संचालन फिर से शुरू किया, दो अन्य केंद्रों का कामकाज निलंबित

ढाका। भारत ने बृहस्पतिवार को ढाका में अपने वीजा आवेदन केंद्र का संचालन फिर से शुरू कर दिया, सुरक्षा संबंधी चिंताओं में वृद्धि के कारण एक दिन पहले इसे बंद कर दिया गया था। हालांकि, बांग्लादेश के अन्य हिस्सों में स्थित इसी तरह के दो अन्य केंद्रों को बंद कर दिया गया है। दक्षिण-पश्चिमी खुलना और उत्तर-पश्चिमी राजशाही में स्थित भारतीय वीजा आवेदन केंद्र (आईवीएसी) को सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण बंद कर दिया गया था। बांग्लादेश में पांच आईवीएसी केंद्र हैं। ढाका, खुलना और राजशाही के अलावा, अन्य दो केंद्र पूर्वोत्तर बंदरगाह शहर चटोग्राम और सिलहट में स्थित हैं। ढाका के जमुना फ्यूचर पार्क में स्थित आईवीएसी राजधानी में सभी भारतीय वीजा सेवाओं के लिए मुख्य एकीकृत केंद्र है। आईवीएसी के एक अधिकारी ने पीटीआई को बताया, ढाका में भारतीय वीजा आवेदन केन्द्र में अब काम काज शुरू हो गया है। भारत विरोधी प्रदर्शनकारियों के एक बड़े समूह के भारतीय उच्चायोग की ओर बढने के बाद तनाव बढने के मद्देनजर, आईवीएसी के ढाका केंद्र को बुधवार को अस्थाई रूप से बंद करने की घोषणा की गई थी। ढाका केंद्र ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि आईवीएसी ने बृहस्पतिवार को खुलना और राजशाही में स्थित अपने दोनों केंद्र बंद कर दिए हैं। वेबसाइट में कहा गया, मौजूदा सुरक्षा स्थिति को देखते हुए हम आपको सूचित करना चाहते हैं कि आईवीएसी राजशाही और खुलना आज बंद रहेंगे।

न्यूज ब्रीफ

चीन की राजधानी में छाई धुंध, 215 पर पहुंचा वायु गुणवत्ता सूचकांक

» बीजिंग, भाषा।

चीन की राजधानी बीजिंग में बृहस्पतिवार को धुंध छाई रही और वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) बढकर 215 पर पहुंच गया, जो बेहद अस्वास्थ्यकारी स्तर माना जाता है। बीजिंग में वर्षों तक हवा साफ करने के लिए अभियान चलाया गया, जिसके बाद प्रदूषण इतनी तेजी से बढना दुर्लभ माना जा रहा है। चीन की राष्ट्रीय वेधशाला ने बुधवार को एलो अलर्ट जारी करते हुए देश के कुछ हिस्सों में भारी धुंध फैलने का पूर्वानुमान जताया है। वेधशाला ने कहा कि हेबेई, बीजिंग, तियानजिन, हेनान, अनहुई, जियांग्सू, हुबेई, सिचुआन बेसिन और चोंगचिंग में बृहस्पतिवार को भारी धुंध छाई रहने का पूर्वानुमान है।

बीजिंग में प्रदूषित वायु गुणवत्ता के साथ धुंध इन दिनों कम ही देखने को मिलती है, जबकि पहले यहां भारी प्रदूषण देखा जाता था। सरकार ने 2016 में कई कदम उठाए थे, जिनमें भारी प्रदूषण का कारण बनने वाले उद्योगों को बंद करना और उन्हें स्थानांतरित करना शामिल था। इसके लिए अरबों डॉलर खर्च किए गए। अधिकारियों का कहना है कि सर्दी के दौरान शहर में कोयले से चलने वाली सार्वजनिक हीटिंग व्यवस्था की जगह प्राकृतिक गैस या बिजली से चलने वाली हीटिंग व्यवस्था अपनाई गई, जिसके लिए एक अरब डॉलर से अधिक धनराशि खर्च की गई और इस प्रकार प्रदूषण स्तरों को कम करने में मदद मिली।

एफबीआई के उप निदेशक डैन बोंगिनो अगले महीने दे सकते हैं इस्तीफा

» वाशिंगटन, भाषा।

संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के उप निदेशक डैन बोंगिनो ने बुधवार को कहा कि वह अगले महीने इस्तीफा दे देंगे, जिससे उनका छोटा लेकिन उथल-पुथल भरा कार्यकाल समाप्त हो जाएगा। उनके कार्यकाल के दौरान अमेरिकी निवेशक एंव यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन की फाइलों को लेकर न्याय विभाग के साथ उनका टकराव हुआ। बोंगिनो के इस्तीफे की पहले से ही उम्मीद थी और उनका इस्तीफा ट्रंप प्रशासन के सबसे चर्चित इस्तीफों में से एक होगा। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब एफबीआई नेतृत्व को निदेशक काश पटेल द्वारा सरकारी विमान का निजी इस्तेमाल करने और सक्रिय जांच के बारे में सोशल मीडिया पर पोस्ट करने को लेकर आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है।

एफबीआई में दूसरे महत्वपूर्ण पद के लिए बोंगिनो का चयन हमेशा से ही अपरंपरागत रहा है। यह पद ऐतिहासिक रूप से ब्यूरो के दैनिक कार्यों की देखरेख से जुड़ा होता है और आमतौर पर एक अनुभवी एजेंट ही इस पद को संभालता रहा है। बोंगिनो पहले न्यूयॉर्क शहर के पुलिस अधिकारी और सीक्रेट सर्विस एजेंट के रूप में काम कर चुके हैं, हालांकि न तो उन्हें और न ही पटेल को अपने-अपने पदों के लिए चुने जाने से पहले एफबीआई में कोई अनुभव था।

पुलित्जर विजेता पत्रकार पीटर अर्नेट का निधन

» लॉस एंजिलिस, भाषा।

दशकों तक अपनी जान जोखिम में डालकर युद्ध की आंखों देखी रिपोर्टिंग करने वाले वरिष्ठ पत्रकार पीटर अर्नेट का निधन हो गया है। पुलित्जर पुरस्कार से सम्मानित अर्नेट 91 वर्ष के थे। उनके बेटे एंड्रयू अर्नेट ने बताया कि पीटर ने बुधवार को न्यूपोर्ट बीच में अंतिम सांस ली और उनके आखिरी पलों में उनके परिवार के सदस्य और दोस्त वहीं मौजूद थे। वह प्रोस्टेट कैंसर से जूझ रहे थे और शनिवार को उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

अर्नेट पत्रकारिता जगत का एक बड़ा नाम रहे हैं। वर्ष 1966 में द एसोसिएटेड प्रेस (एपी) के लिए वियतनाम युद्ध की कवरेज करने पर उन्हें अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टिंग की श्रेणी में पुलित्जर पुरस्कार से नवाजा गया था। वर्ष 1962 से 1975 तक वियतनाम युद्ध की उनकी रिपोर्टिंग ने उन्हें साथी पत्रकारों के बीच समाचार एजेंसी संवाददाता के तौर पर पहचान दिलाई। हालांकि, पीटर अर्नेट को असली पहचान 1991 में मिली, जब पहले खाड़ी युद्ध के दौरान उन्होंने सीएनएन के लिए युद्ध के मैदान से लाइव रिपोर्टिंग की थी।

भारत आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा से जुड़े प्रयासों में अत्यंत रणनीतिक संभावित साझेदार : अमेरिका

भारत को पैक्स सिलिका में शामिल न किए जाने को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही हैं : जैकब हेलबर्ग

» न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिका, भारत को आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा से जुड़े प्रयासों में एक अत्यंत रणनीतिक संभावित साझेदार के रूप में देखता है और उसके साथ आर्थिक सुरक्षा सहयोग को और गहरा करने के तरीको पर लगातार बातचीत कर रहा है। एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि उनका देश हाल में वाशिंगटन के नेतृत्व में शुरू की गई सिलिकॉन आपूर्ति श्रृंखला पहल से भारत के बाहर रहने के बावजूद नई दिल्ली के साथ इस विषय पर संवाद के अवसर का स्वागत करता है।

आर्थिक मामलों के लिए अमेरिकी विदेश मंत्रालय के अवर सचिव जैकब हेलबर्ग ने बुधवार को पत्रकारों से कहा कि अमेरिका, भारत के साथ आर्थिक सुरक्षा सहयोग को और गहरा करने के तरीकों पर लगातार बातचीत कर रहा है। पिछले सप्ताह अमेरिका ने पैक्स सिलिका नामक एक रणनीतिक पहल शुरू की, जिसका उद्देश्य महत्वपूर्ण खनिजों और ऊर्जा इनपुट से लेकर उन्नत विनिर्माण, सेमीकंडक्टर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) अवसंरचना और साजोसामान तक एक सुरक्षित, समृद्ध और नवाचार-आधारित सिलिकॉन आपूर्ति श्रृंखला तैयार करना है। इस पहल में जापान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, नीदरलैंड, ब्रिटेन, इजराइल, संयुक्त अरब अमीरात और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं, लेकिन भारत इसमें शामिल नहीं है। भारत को छोड़कर चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद (क्वाड) के अन्य सभी देश जापान, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका इस नई पहल का हिस्सा हैं। हेलबर्ग ने स्वीकार किया कि भारत को पैक्स सिलिका में शामिल न किए जाने को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही हैं, लेकिन उन्होंने इसे वाशिंगटन और नई दिल्ली के बीच मौजूदा तनाव से जोड़ने से इनकार किया। उन्होंने कहा, भारत और अमेरिका के बीच व्यापार व्यवस्थाओं से जुड़ी बातचीत और आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा पर चर्चा, ए दोनों ही अलग और समानांतर प्रक्रियाएं हैं। हम इन्हें आपस में नहीं मिला रहे हैं। हम भारत को आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा के लिए एक अत्यंत रणनीतिक संभावित साझेदार मानते हैं और उसके साथ जुड़ने का स्वागत करते हैं। हेलबर्ग ने कहा कि वह दिल्ली में अपने समकक्षों के साथ लगभग रोजाना संपर्क में हैं तथा सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर सक्रिय रूप से काम किया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि वह फरवरी में होने वाले इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में हिस्सा लेंगे, जिससे आमने-सामने मुलाकात कर ठोस लक्ष्यों को तय करने का अवसर मिलेगा।

ट्रंप ने वर्ष के अंत में अपने संबोधन में आप्रवासन को लेकर प्रशासन की उपलब्धियां गिनाईं

» न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साल के अंत में व्हाइट हाउस में दिए गए संबोधन में आप्रवासन और आठ युद्ध रुकवाने में अपने प्रशासन की सफलताएं गिनाईं। ट्रंप ने बुधवार को राष्ट्र के नाम 19 मिनट के संबोधन की शुरुआत करते हुए कहा, 11 महीने पहले, मैंने एक गड़बड़ी का पता लगाया, और मैं इसे ठीक कर रहा हूं। ट्रंप ने इस वर्ष जनवरी में अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत के बाद से अपने प्रशासन की उपलब्धियां गिनाईं, जिसमें सीमा को सुरक्षित करना, विपरीत प्रवासन , महंगाई कम करना, संघर्षों को समाप्त करना, शुल्क का उपयोग करके देश के लिए अरबों डॉलर अर्जित करना, रोजगार सृजन को बढ़ावा देना और आप्रवासन पर कड़ी कार्रवाई करना शामिल है।

उन्होंने कहा, मैंने अमेरिकी ताकत को पुनर्स्थापित किया, 10 महीने में आठ युद्ध समाप्त किए, ईरान के परमाणु खतरे को नष्ट किया और गाजा में युद्ध पर विराम लगाया, जिसके चलते 3,000 साल में पहली बार पश्चिम एशिया में शांति आई। मैंने मृत या जीवित अवस्था में बंधकों की रिहाई सुनिश्चित की। हालांकि, ट्रंप ने इन संघर्षों का नाम नहीं लिया, लेकिन उन्होंने पूरे वर्ष यह दावा किया है कि उन्होंने भारत- पाकिस्तान, थाईलैंड- कंबोडिया, आर्मेनिया-अजरबैजान, कोसोवो-सर्बिया, इजराइल- ईरान, मिस्र- इथियोपिया, और रवांडा- कांगो के बीच युद्ध रुकवाए। उन्होंने यह भी बताया कि उनके प्रशासन ने दुनिया भर से अमेरिका में आने वाले प्रवासियों से निपटने में सफलता हासिल की है, जो अमेरिकियों की नौकरियां छीन रहे हैं और आवास खर्च बढ़ा रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि आवास खर्च बढ़ने का एक प्रमुख कारण सीमा पर भीषण आक्रमण है। उन्होंने कहा, हमने कभी भी आक्रमण नहीं झेले हैं। यह सबसे खराब चीज है, और ईमानदारी से कहूं तो, मेरी राय में, जो सबसे खराब चीज बाइडन प्रशासन ने हमारे देश को दी है, वह सीमा पर आक्रमण है। इसके अलावा ट्रंप ने कहा कि वह क्रिसमस के मौके पर अमेरिकी सैनिकों को 1,776 डॉलर धनराशि के बोनस चेक भेज रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये भुगतान शुल्क निधि से किए जा रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि 14.5 लाख सैनिक क्रिसमस से पहले यह धनराशि हासिल करेंगे और चेक जारी किए जा चुके हैं। ट्रंप ने ऐसे समय में सैनिकों को बोनस देने की घोषणा की है जब लाखों अमेरिकी लोग महंगाई के कारण खाद्य, आवास समेत विभिन्न चीजों के दाम बढ़ने को लेकर चिंतित हैं।

ऑस्ट्रेलिया के बोंडी बीच पर शूटर को काबू करने वाले भारतीय ने कहा, हमलावर को मार गिराना चाहता था

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया में बोंडी बीच पर कथित शूटरों में से एक को काबू करने में मदद करने वाले भारतीय मूल के 34-वर्षीय व्यक्ति ने कहा कि वह एक हमलावर को मार गिराना चाहते थे और जरूरतमंद लोगों की मदद करना चाहते थे। चौदह दिसंबर को एक यहूदी त्योहार के मौके पर पिता-पुत्र ने समुद्र तट पर हमला किया था, जिसमें 15 लोगों की मौत हो गई। हमले में 40 लोग घायल हुए हैं, जिनमें तीन भारतीय छात्र भी शामिल हैं। सिडनी के निवासी एक हमलावर साजिद अकरम (50) को मार गिराया गया, जबकि ऑस्ट्रेलिया में जन्मा उसका 24-वर्षीय बेटा नवीद अकरम घायल हो गया। एसबीएस न्यूज की खबर के अनुसार, भारतीय और न्यूजीलैंड मूल के माता-पिता के घर जन्मे अमनदीप सिंह-बोला ने एक संदिग्ध साजिद अकरम को काबू करने में मदद की थी। सिंह-बोला उस पुल पर दौड़े जहां कथित हमलावर लोगों पर गोलियां चला रहा था। उन्होंने एक पुलिस अधिकारी की मदद से उसे काबू में कर लिया। खबर के अनुसार, उन्होंने कहा, मैं (शूटर पर) कूद पड़ा और उसके हाथ पकड़ लिए। पुलिस अधिकारी ने मेरी मदद की और कहा कि उसे छोड़ना नहीं। उन्होंने कहा, मैं एक (कथित शूटर) को मार गिराने में मदद करना चाहता था, या फिर किसी भी ऐसे व्यक्ति की मदद करना चाहता था, जिसे मदद की जरूरत थी। शुरू में गोलीबारी की आवाज को पटाखे की आवाज समझ बैठे सिंह-बोला गोलीबारी के समय कबाब खा रहे थे और समुद्र तट पर सूर्यास्त का नजारा देख रहे थे। ऑस्ट्रेलिया की संघीय पुलिस आयुक्त क्रिसी बैरेट ने इस गोलीबारी को इस्लामिक स्टेट से प्रेरित एक आतंकवादी हमला बताया है।

ट्रंप ने विदेश नीति के मुद्दों का बहुत कम उल्लेख किया

अमेरिका ने ताइवान को 10 अरब डॉलर से अधिक मूल्य के हथियार बेचने की घोषणा की

» वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने ताइवान को 10 अरब डॉलर से अधिक मूल्य के हथियारों की बिक्री के एक विशाल पैकेज की घोषणा की है, जिसमें मध्यम दूरी की मिसाइलें, होवित्जर तोपें और ड्रोन शामिल हैं। अमेरिका के इस कदम पर चीन ने आक्रोश जताया है। अमेरिकी विदेश विभाग ने बुधवार देर रात इन हथियार सौदों की घोषणा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित संबोधन के दौरान की। अपने भाषण में ट्रंप ने विदेश नीति के मुद्दों का बहुत कम उल्लेख किया और चीन या ताइवान के बारे में कोई बात नहीं की।

ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के दौरान अमेरिका-चीन तनाव कम हुआ है, न केवल मुख्य रूप से व्यापार और शुल्क (टैरिफ) को लेकर बल्कि ताइवान के प्रति चीन की बढ़ती आक्रामकता को लेकर भी। चीन, ताइवान पर अपना हक जताता है। इन आठ हथियार बिक्री समझौतों में 82 उच्च गतिशीलता वाली तोपखाना रॉकेट प्रणाली (हिमार्स) और 420 सैन्य सामरिक मिसाइल प्रणाली शामिल हैं। ये वही प्रणालियां हैं जैसी पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन के दौरान अमेरिका ने रूस के खिलाफ आत्मरक्षा के लिए यूक्रेन को प्रदान की थीं। इनकी कुल कीमत चार अरब डॉलर से अधिक बताई गई है। इसके अलावा इस पैकेज में 60 स्वचालित होवित्जर प्रणालियां और उनसे जुड़े उपकरण भी शामिल हैं, जिनकी कीमत भी चार अरब डॉलर से अधिक है। साथ ही ड्रोन की बिक्री लगभग एक अरब डॉलर से अधिक मूल्य की बताई गई है। अन्य सौदों में एक अरब डॉलर से अधिक मूल्य का सैन्य सॉफ्टवेयर, 70 करोड़ डॉलर से अधिक के जैवेलिन और टीओडब्ल्यू मिसाइल, 9.6 करोड़ डॉलर के हेलीकॉप्टर के पुर्जे और हार्पून मिसाइलों के लिए 9.1 करोड़ डॉलर की नवीनीकरण किट शामिल हैं। एक अलग बयान में अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा कि ए हथियार बिक्री प्राप्तकर्ता देश के सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण के निरंतर प्रयासों का समर्थन करने और एक विश्वसनीय रक्षा क्षमता बनाए रखने में मदद करके अमेरिका के राष्ट्रीय, आर्थिक और सुरक्षा हितों की पूर्ति करते हैं। चीन के विदेश मंत्रालय ने इस कदम की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि इससे चीन और अमेरिका के बीच हुए कूटनीतिक समझौतों का उल्लंघन होगा, चीन की संप्रभुता, सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता को गंभीर नुकसान पहुंचेगा तथा क्षेत्रीय स्थिरता कमजोर होगी। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने कहा, इस द्वीप पर मौजूद ताइवान स्वतंत्रता की ताकतें बल के जरिए स्वतंत्रता हासिल करना और बल के जरिए ही पुनःएकीकरण का विरोध करना चाहती हैं। वे ताइवान को बारूद के ढेर में बदलने की कीमत पर जनता की मेहनत की कमाई को हथियार खरीदने में बर्बाद कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हथियारों के जरिए ताइवान स्वतंत्रता का समर्थन करना अंततः अमेरिका के लिए ही उल्टा साबित होगा। ताइवान का इस्तेमाल कर चीन को रोकने की कोशिश सफल नहीं होगी। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को जारी एक बयान में हथियारों की बिक्री को लेकर अमेरिका के प्रति आभार व्यक्त किया। मंत्रालय ने कहा कि इससे ताइवान को पर्याप्त आत्मरक्षा क्षमताएं बनाए रखने में मदद मिलेगी और मजबूत प्रतिरोधक क्षमता हासिल होगी।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886